▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 241 ▸▸मुंबई, शनिवार, 8 नवंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- दो हफ्ते के अंदर अधिकारी संस्थागत क्षेत्रों की करेंगे पहचान
- आठ हफ्ते में इन क्षेत्रों में बाड़ लगाने, चारदीवारी बनाने का दिया निर्देश
- कुत्तों के काटने से रेबीज होने की मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लेकर शीर्ष कोर्ट ने की सुनवाई
- शीर्ष कोर्ट अब इस मामले पर अगली सुनवाई 13 जनवरी को करेगी

आवारा कुत्तों को हटाने को लेकर 'सुप्रीम' आदेश

▸▸ आवारा कुत्तों को स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और बस स्टैंड से दूर रखने के आदेश

▸▸ कोर्ट ने सभी नेशनल और स्टेट हाईवे से आवारा पशु हटाने का भी दिया आदेश

▸▸ सुप्रीम कोर्ट ने कुत्ते के काटने की घटनाओं में बढ़ोतरी मामलों पर संज्ञान लेकर जारी किए कई निर्देश

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के स्कूल, कॉलेज, अस्पतालों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से आवारा कुत्तों को हटाकर आश्रय स्थलों (शेल्टर होम) में पहुंचाने का आदेश दिया। शुक्रवार को कुत्ते के काटने की घटनाओं में खतरनाक बढ़ोतरी के मामलों पर संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने कई निर्देश जारी किए। इसमें कहा कि संस्थागत क्षेत्रों स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों में बाड़ लगाया जाए, ताकि कुत्ते वहां न पहुंच सकें। साथ ही राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से आवारा पशुओं को भी हटाने का आदेश दिया। दरअसल, 3 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह संस्थागत क्षेत्रों में कुत्ते के काटने के मुद्दे से निपटने के लिए अंतरिम निर्देश पारित करेगी। शीर्ष अदालत 28 जुलाई को आवारा कुत्तों के काटने से रेबीज होने की मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू किए गए मामले की सुनवाई कर रही है।

स्थानीय निकायों की होगी हटाने की जिम्मेदारी

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ ने लावारिस कुत्तों के मामले में कई निर्देश पारित किए। पीठ ने कहा, संस्थागत क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाने की जिम्मेदारी स्थानीय निकायों की होगी। इन जगहों से कुत्तों को हटाने के बाद स्थानीय प्रशासन पशु जन्म नियंत्रत्र नियमों के तहत टीकाकरण और बाध्याकरण के बाद डॉग शेल्टर में शिफ्ट करेंगे। इस दौरान पीठ ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को स्थानीय या नगर निगम प्राधिकरणों के जरिये दो हफ्ते के अंदर ऐसे संस्थागत क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश दिया।

चूक होने पर अधिकारी होंगे जिम्मेदार

पीठ ने अपने फैसले में संस्थागत क्षेत्रों के प्रशासनिक प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि परिसर को बाड़, चारदीवारी, गेट या अन्य उपायों से सुरक्षित करें। ताकि आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लग सके। पीठ ने कहा यह अभ्यास जल्द से जल्द आठ हफ्ते के अंदर पूरा किया जाना चाहिए। अपने आदेश में पीठ ने कहा कि ऐसे संस्थानों का प्रबंधन एक नोडल अधिकारी नामित करेगा, जो परिसर की देखभाल और साफ-सफाई के लिए जिम्मेदार होगा और यह सुनिश्चित करेगा कि आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश न करें। पीठ ने कहा कि स्थानीय नगर निगम प्राधिकरण ऐसे परिसरों का हर तीन महीने में कम से कम एक बार नियमित निरीक्षण करेंगे।

दोबारा उसी जगह नहीं है छोड़ना

शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि सभी संस्थागत क्षेत्रों से उठाए गए आवारा कुत्तों को दोबारा उसी जगह वापस नहीं छोड़ा जाएगा। पीठ ने कहा कि हमने जानबूझकर आवोरा कुत्तों को उसी स्थान पर वापस न छोड़ने का निर्देश दिया हैं। क्योंकि टीकाकरण और बाध्याकरण के बाद अगर इन्हें वापस संस्थागत क्षेत्रों में छोड़ दिया गया तो आवारा कुत्तों की मौजूदगी से आजाद करने का मकसद ही खत्म हो जाएगा।

दलीलें सुनने से इनकार

मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद ग्रोवर, करुणा नंदी एवं अन्य ने शीर्ष अदालत से दलीलें सुनने का आग्रह किया। हालांकि, पीठ ने कहा कि वह पहले ही निर्देश पारित कर चुकी है। लिहाजा, इस मुद्दे पर किसी भी तरह की दलीलें सुनने से इनकार कर दिया। यह निर्देश देते हुए शीर्ष कोर्ट ने अगली सुनवाई 13 जनवरी की तारीख तय कर दी।

नागरिकों की जीवन की रक्षा करना हमारा अधिकार

सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि संस्थागत क्षेत्रों के भीतर कुत्ते के काटने की घटनाओं की पुनरावृत्ति न केवल प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है, बल्कि इन परिसरों को रोकी जा सकने वाली खतरों से सुरक्षित करने में विफलता भी है। पीठ ने कहा, यह स्थिति भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करती है। लिहाजा, हमारा प्राथमिक उद्देश्य पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत बनाए गए पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 में सन्निहित सिद्धांतों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के मौलिक अधिकार की रक्षा करना है।

ये आदेश भी जारी किए

- सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को हर समय एंटी-रेबीज टीके और इम्युनोग्लोबुलिन का अनिवार्य स्टॉक बनाए रखना होगा
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा हर शैक्षणिक संस्थान को छात्रों और कर्मचारियों के लिए कुत्ते काटने संबंधी उपचार पर जागरूकता सत्र आयोजित करना होगा
- इन उठाए गए कदमों को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव आठ सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करेंगे

ब्रीफ न्यूज़

बाबा सिद्दीकी की पत्नी ने एसआईटी जांच के लिए खटखटाया हाई कोर्ट का दरवाजा

मुंबई। पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच को लेकर उनकी पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने मुंबई उच्च न्यायालय में विशेष जांच दल (SIT) गठित करने की मांग की है। वकील त्रिवेंद्रकुमार करनानी के माध्यम से दायर याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस असली दोषियों को पकड़ने में विफल रही है और कुछ प्रभावशाली लोगों को जानबूझकर बचाया जा रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि सिद्दीकी झुग्गीवासियों के हित में काम करते थे, जिससे बिल्डर लॉबी और एक राजनीतिक नेता उनसे नाराज़ थे। इस याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई होने की संभावना है। शहजीन सिद्दीकी ने याचिका में बताया कि उनके पति को पहले भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी थी और उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी।

महाराष्ट्र के कई शिक्षा संस्थानों से भी सम्पर्क था विजेन्द्र हुड्डा

मुंबई। फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह के मुखिया व मोनाड यूनिवर्सिटी के मालिक विजेन्द्र हुड्डा के सम्पर्क में महाराष्ट्र के कई शिक्षा संस्थान भी थे। इन संस्थाओं के लिए भी फर्जी मार्कशीट व अंकपत्र बनाने का खेल हुआ। इस नई जानकारी के बाद ईडी ने इन संस्थाओं का भी ब्योरा जुटाना शुरू कर दिया है। साथ ही चिन्हित संस्थाओं से कई दस्तावेज भी मांगे गए हैं। इसके अलावा विजेन्द्र व उनके अन्य करीबियों से भी ईडी जेल में पूछताछ करेगी। ईडी ने इस फर्जीवाड़े में गुरुवार सुबह हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी, उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कालेज के अलावा लखनऊ, फरीदाबाद, गुड़गांव, सोनीपत, मेरठ और दिल्ली समेत 16 स्थानों पर छापा मारा था।

उचित मामलों में बलात्कार पीड़ितों को मुआवज़ा देने के निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सत्र अदालतों और 'पॉक्सो' (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालतों को उचित मामलों में बलात्कार और यौन उत्पीड़न पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए कानून के तहत आदेश जारी करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने केंद्र और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य सरकार प्रशासनिक उदासीनता और अधिकारियों की व्यवस्थागत उपेक्षा के कारण बलात्कार पीड़ितों को उचित मुआवज़ा देने से लगातार इनकार कर रही है।

'मुंडे ने रची मेरी हत्या की साज़िश'

▸▸ 'मेरी राजनीति खत्म करने के लिए लगाया आरोप'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन करके चर्चा में आए मनोज जरांगे पाटिल ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता धनंजय मुंडे पर खुद को मारने की सुपारी देने का आरोप लगाया है। जरांगे पाटिल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मदद की अपील करते हुए कहा है कि जिसे जान का खतरा है, उसे सरकार से सुरक्षा मिलनी ही चाहिए। दूसरी ओर धनंजय मुंडे ने जरांगे पाटिल के आरोपों को आधारहीन करार दिया है। जरांगे ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि धनंजय मुंडे ने अपने एक सहायक के जरिए उन्हें जान से मारने के लिए ढाई करोड़ की सुपारी दी है। जरांगे का दावा है कि उन्हें विष देकर अथवा उनकी गाड़ी को टक्कर मारकर उनकी जान लेने की कोशिश की जा सकती है। एक दिन पहले ही धनंजय मुंडे के गृह जनपद बीड के रहने वाले जरांगे के एक सहयोगी गंगाधर कालकुटे जालना जिले के पुलिस अधीक्षक के यहां शिकायत दर्ज कराई है कि मनोज जरांगे को मारने की साजिश रजी जा रही है।

आरोपियों से मिले थे मुंडे

मनोज जरांगे पाटिल ने आज पत्रकारों से कहा कि धनंजय मुंडे के पीए या कार्यकर्ता कांचन ने गिरफ्तार किए गए दो में से एक आरोपित को परली में ही मुंडे से मिलवाया था। उसके बाद आरोपियों से धनंजय मुंडे की एक मुलाकात छत्रपति संभाजी नगर में भी हुई थी। जरांगे का दावा है कि वहीं धनंजय मुंडे ने उस व्यक्ति को उन्हें मारने के लिए ढाई करोड़ रुपयों की सुपारी दी। जरांगे के अनुसार आरोपियों से धनंजय की एक मुलाकात मुंबई में भी हुई थी। उन लोगों ने धनंजय से महाराष्ट्र के बाहर के नंबर वाली एक गाड़ी देने को कहा था, जिससे वह मेरी गाड़ी को टक्कर मार सकें।

पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

इस शिकायत के बाद पुलिस ने बीड से दादा गरुण एवं अमोल खुने नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। अमोल खुने पहले मनोज जरांगे के लिए ही काम करता रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों ने बताया है कि एक बड़े नेता ने यह साजिश रची थी।

जरांगे के आरोपों को मुंडे ने किया खारिज

लेकिन धनंजय मुंडे ने जरांगे पाटिल के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि उनकी छवि खराब करने एवं उनकी राजनीति खत्म करने के लिए इस प्रकार के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जरांगे के आरोपों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग भी की है। उन्होंने कहा कि अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र शासन नहीं बल्कि सीबीआई को करना चाहिए। मेरे मन में भी अगर ऐसा पाप आया हो तो मेरी ब्रेन मैपिंग करवा लें, साथ में मनोज जरांगे पाटिल की भी ब्रेन मैपिंग हो। अगर कोर्ट में परेशानी होगी तो मेरी और पाटिल दोनों की परमिशन ले लूंगा, ब्रेन मैपिंग के साथ-साथ नारको टेस्ट भी हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि मैंने कभी किसी की जाति देखकर राजनीति नहीं की। पिछले 30 साल से मैं सामाजिक काम करते हुए यहां तक आया हूं। 2002 में जब मुझे पहली बार बिड जिला परिषद से जितने का मौका मिला, उस समय जब में सभागृह में गया तो पहली बैठक में ही मैंने संकल्प लिया था कि मराठा समाज को आरक्षण मिलना चाहिए। जब-जब महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन हुआ, उसमें मैं सहभागी रहा। लोकसभा चुनाव के बाद परली में हुए मराठा आरक्षण आंदोलन में जगह देने से लेकर पानी देने और लोगों को गाड़ियां देने का काम हमने किया था। मुंडे ने ये भी कहा, "नगर जिले के कोपरडी में एक रेप का मामला हुआ था।

कुर्ला बेस्ट बस हादसा मामला

चालक पर गैर इरादतन हत्या का आरोप तय

9 लोगों की हुई थी मौत

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई के कुर्ला में पिछले साल हुई बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) बस दुर्घटना मामले में कानूनी कार्रवाई अगले चरण में पहुँच गई है। अदालत ने आरोपी चालक संजय मोरे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आरोप तय किया है। यह हादसा 10 दिसंबर 2024 की रात करीब साढ़े 9 बजे एस.जी. बर्वे मार्ग पर हुआ था, जब बस ने नियंत्रण खोकर कई वाहनों और पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी थी। इस भीषण दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हुई थी और 42 अन्य घायल हुए थे। हादसे के तुरंत बाद आरोपी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। अदालत के आदेश के अनुसार, अब इस मामले में जल्द ही सुनवाई शुरू होगी।

अन्य दो आरोपियों को राहत

इस मामले में नामित दो अन्य आरोपियों 'एवे ट्रांस (एमयूएम) प्राइवेट लिमिटेड' के प्रबंध निदेशक रमेश कटिगंडला और 'मौर्या ट्रांस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के सीईओ राम सूर्यवंशी को अदालत ने बरी कर दिया है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि दोनों के खिलाफ अभियोजन जारी रखने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले। फिलहाल, केवल चालक संजय मोरे ही मुकदमे का सामना करेगा। अदालत ने संकेत दिया है कि इस मामले की मुख्य सुनवाई जल्द ही शुरू होगी, जिससे इस हादसे से जुड़े तथ्यों पर न्यायिक प्रक्रिया के तहत विस्तृत विचार किया जा सके।

चिंताजनक 30,875 स्थलीय कशेरुकी प्रजातियों के संरक्षण डाटा पर आधारित है यह अध्ययन

विलुप्त हो सकती हैं दुनिया की 1,100 कशेरुकी प्रजातियां

एजेंसी । नई दिल्ली

मौजूदा कृषि और आहार पैटर्न जारी रहे, तो अगले 100 वर्षों में दुनिया की 700 से 1,100 कशेरुकी प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज के एक व्यापक अध्ययन बताता है कि हमारी थाली में रखा भोजन केवल स्वास्थ्य नहीं तय करता, बल्कि पृथ्वी की जैव विविधता का भविष्य भी आकार देता है। बीफ और लैम्ब उत्पादन सबसे बड़ा खतरा साबित हो रहा है, जबकि दाल-फलियां जैव विविधता के लिए सौ गुना से अधिक सुरक्षित विकल्प हैं।यह अध्ययन दुनिया की 30,875 स्थलीय कशेरुकी प्रजातियों के संरक्षण डाटा पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने भूमि उपयोग, खेती विस्तार और प्राकृतिक आवासों पर मानव हस्तक्षेप का प्रभाव मापने के लिए एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसे एलआईएफई (लाइफ-लैंडकवर चेंज इंपैक्ट्स आन फ्यूचर एक्सटिंक्शन) कहा गया है। यह पहली बार है जब किसी वैज्ञानिक मॉडल ने प्रति-किलो खाद्य उत्पादन के आधार पर प्रजातियों के विलुप्ति जोखिम का सटीक अनुमान दिया है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार का काला पक्ष

अध्ययन के अनुसार ब्रिटेन की जैव विविधता को सबसे अधिक नुकसान घरेलू खेती से नहीं बल्कि खाद्य आयात से हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से आने वाला बीफ स्थानीय बीफ की तुलना में 30-40 गुना अधिक प्रजातीय विलुप्ति जोखिम पैदा करता है। ब्रेक्जिट के बाद इन देशों से मांस आयात में वृद्धि देखी गई है। इसकी वजह से यह विलुप्ति पदचिह्न (एक्सटिंक्शन फुटप्रिंट) आगे और बढ़ सकता है।

कृषि भूमि के विस्तार से गहराया संकट

शोधकर्ताओं ने चेताया कि यदि देश केवल घरेलू पर्यावरण सुरक्षा पर ध्यान दें और खाद्य आयात बढ़ा दें तो वैश्विक स्तर पर ज्यादा नुकसान होता है। पिछले 60 वर्षों में पृथ्वी की लगभग एक-तिहाई भूमि कृषि के दायरे में आ गई है। यह परिवर्तन प्रजातियों के विलुप्त होने का नंबर-वन कारक है। संयुक्त राष्ट्र के फूड एंड एग्रिकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) पहले ही चेतावनी दे चुका है कि 1960 से वैश्विक कृषि उत्पादन तीन गुना बढ़ा है, लेकिन इसके साथ प्रजातियों पर दबाव अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा है।

पार्थ पवार से जुड़ी विवादित जमीन की डील रद्द

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि पुणे की जिस विवादित सरकारी जमीन को उनके बेटे पार्थ पवार से जुड़ा बताया जा रहा था, उस जमीन की डील अब रद्द कर दी गई है। पवार ने यह जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद दी। यह कदम उस विवाद के बीच आया है, जिसमें पार्थ पवार की कंपनी पर करोड़ों रुपये की जमीन कम कीमत पर खरीदने का आरोप लगा था। इस प्रकरण पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने एक्स (X) पोस्ट में लिखा, "महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1,800 करोड़ की सरकारी जमीन मंत्री के बेटे की कंपनी को मात्र 300 करोड़ में बेच दी गई।

- **दलितों की 1800 करोड़ की जमीन, 300 करोड़ में खरीदी: राहुल गांधी**

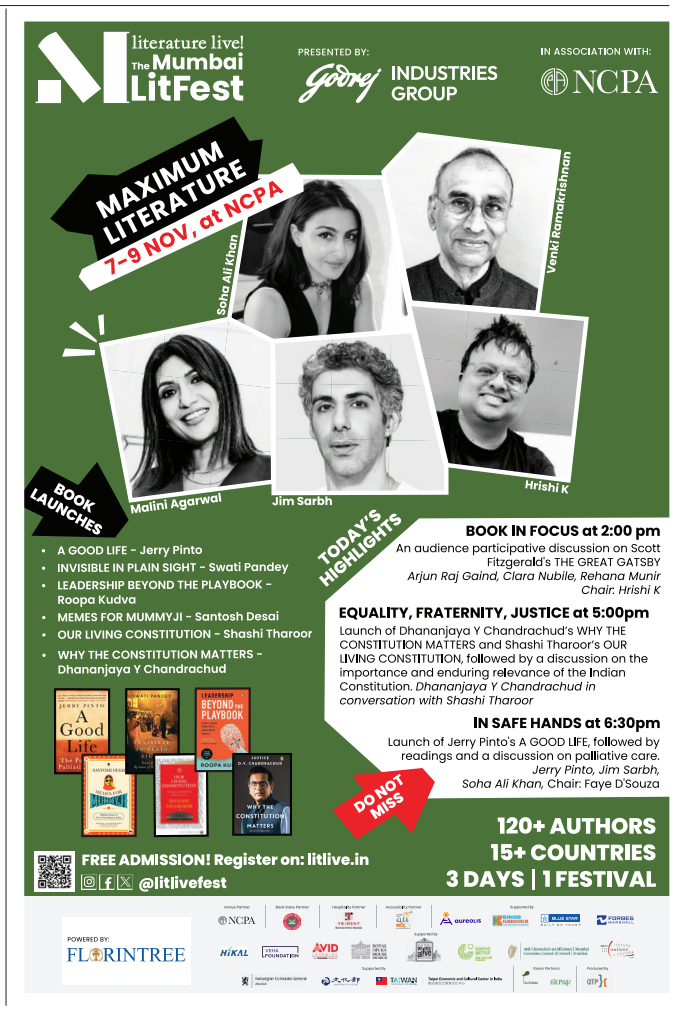

न्यूज़ ब्रीफ

कारखाने में लगी आग, कोई हताहत नहीं

भिवंडी। भिवंडी के सरावली गांव स्थित एक रंगाई कारखाने में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। भिवंडी-निज़ामपुर नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ प्रमुख साकिब खरबे ने बताया कि आग लगते ही कारखाने में मौजूद मजदूर तुरंत बाहर निकल आए, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। हालांकि, आग में कारखाने का काफी सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं।

सोलापुर–अजमेर विशेष ट्रेन सेवाएँ अब 6 अतिरिक्त फेरे तक चलेंगी

सोलापुर। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सोलापुर और अजमेर के बीच चल रही विशेष ट्रेनों की सेवाएँ 6 अतिरिक्त फेरे तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके तहत गाड़ी संख्या 09627 अजमेर–सोलापुर साप्ताहिक विशेष अब 12 नवंबर से 26 नवंबर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी, जबकि गाड़ी संख्या 09628 सोलापुर–अजमेर साप्ताहिक विशेष 13 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को संचालित होगी। दोनों ही ट्रेनों के कोच संरचना और ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

अगर मंत्रियों के बच्चे कुछ गलत करते हैं, तो उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए: अन्ना हजारे

मुंबई। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलनों के प्रतीक सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि यदि मंत्रियों के बच्चे गलत कार्यों में लिप्त पाए जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी स्वयं मंत्रियों की होती है। उन्होंने यह टिप्पणी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे से जुड़ी एक विवादास्पद भूमि सौदे की पृष्ठभूमि में की। हजारे ने कहा कि नैतिक मूल्यों की कमी ही ऐसे मामलों की जड़ है और समाज में मूल्य शिक्षा की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। अन्ना हजारे ने पुणे शहर में सरकारी जमीन से जुड़े 300 करोड़ रुपए के कथित अनियमित सौदे पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों पर कठोर कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे मामलों पर अंकुश लगाया जा सके। रालेगण सिद्धि में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि नीतिगत और प्रशासनिक सुधार ही भ्रष्टाचार पर रोक लगाने का एकमात्र रास्ता हैं।

बीएमसी ने छह महीने में जुटाया 586 टन खतरनाक कचरा

मुंबईः बीएमसी ने मई में शुरू किए गए अपने विशेष कचरा संग्रहण अभियान के तहत अब तक 586.5 मीट्रिक टन खतरनाक और घरेलू सैनिटरी कचरा एकत्र किया है। यह कचरा नगर निगम में पंजीकृत आवासीय और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अलग-अलग एकत्र किया जा रहा है ताकि सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार हो। इस सेवा के माध्यम से इस्तेमाल किए गए सैनिटरी पैड, डायपर, एक्सपायर दवाइयाँ और दूषित पट्टियाँ जैसे खतरनाक अपशिष्ट एकत्र किए जा रहे हैं, जो पहले सामान्य कचरे में मिलकर स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाते थे। बीएमसी के अनुसार, मई से 31 अक्टूबर के बीच सात लाख घरों से यह कचरा एकत्र किया गया, जिससे करीब 28 लाख लोगों को लाभ हुआ — यानी औसतन छह मीट्रिक टन कचरा रोजाना निपटाया गया।

सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद

तीन नाबालिग आरोपियों की सुनवाई जारी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने 17 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि आरोपी को अपने प्राकृतिक जीवन के शेष हिस्से तक जेल में रहना होगा। यह मामला साल 2019 में पालघर जिले में हुई वारदात से जुड़ा है, जिसमें तीन अन्य आरोपी उस समय नाबालिग थे और उनका मामला बाल न्यायालय में चल रहा है। विशेष अदालत के अतिरिक्त सत्र और पॉक्सो न्यायाधीश एन. के. करांडे ने 25 वर्षीय सागर जानू ढनगाटे को दोषी ठहराते हुए उस पर 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। विशेष लोक अभियोजक विजय बी. मुंडे के अनुसार, 18 जनवरी 2019 को यह घटना तब हुई थी जब किशोरी नदी से पानी भरकर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान ढनगाटे और तीन नाबालिगों ने उसका रास्ता रोका और सामूहिक दुष्कर्म किया।

अदालत की सुनवाई और फैसला

मामले की सुनवाई के दौरान कुल नौ गवाहों, जिनमें पीड़िता भी शामिल थी, के बयान अदालत में दर्ज किए गए। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो कानून के तहत लगे सभी आरोपों को पुख्ता सबूतों के साथ साबित कर दिया। न्यायाधीश करांडे ने कहा कि इस तरह के अपराध समाज के नैतिक ताने-बाने को तोड़ते हैं और अदालत को कोई नरमी नहीं दिखानी चाहिए। इसके बाद सागर ढनगाटे को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

घटना और जांच का विस्तार

किशोरी उस समय आश्रम स्कूल में पढ़ती थी और छुट्टियों में राशन लाने के लिए अपने परिवार के पास पालघर आई थी। घटना के बाद जब लड़की ने अपनी मां को पूरी बात बताई तो परिवार ने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच राज्य पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में मामला गंभीरता देखते हुए इसे विशेष अदालत में स्थानांतरित किया गया। पुलिस ने सागर ढनगाटे समेत चारों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

नाबालिग आरोपियों की स्थिति

इस मामले में शामिल तीन अन्य आरोपी घटना के वक्त नाबालिग थे, जिनका मुकदमा अब बाल न्यायालय में चल रहा है। अदालत ने कहा कि नाबालिगों के मामलों पर बाल न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही कार्रवाई की जाएगी। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि पीड़िता को मुआवजा योजना के तहत सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि वह आगे की जिंदगी आत्मनिर्भरता के साथ जी सके।

फर्जी नोटों से ठगी करने वाला गिरफ्तार

लालच देकर खिलौने के नोटों से करता था धोखाधड़ी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो लोगों को अधिक पैसे लौटाने का लालच देकर उन्हें खिलौने के नोटों के बंडल थमाता था। आरोपी की पहचान संजय कुमार भारती (41) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 500 रुपए के खिलौने के नोटों के 360 बंडल (प्रत्येक में 100 नोट), 38 नकली सोने के बिस्कुट और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है।

पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई, साथी अब भी फरार

ठाणे में रहने वाले एक युवक को आरोपी ने यह कहकर झांसा दिया था कि अगर वह 1 लाख रुपए निवेश करेगा, तो तीन सप्ताह में 3 लाख रुपए लौटाएगा। युवक को संदेह हुआ और उसने कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जाल बिछाकर 3 नवंबर को साकेत-बालकुम रोड पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि अब तक आरोपी ने कितने लोगों को इसी तरीके से ठगा है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई

यह कार्रवाई ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, संयुक्त आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त आयुक्त विनायक देशमुख, उपायुक्त प्रशांत कदम, सहायक आयुक्त मंदार जाबले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मंजूषा भोंगले और अन्य पुलिसकर्मियों के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस ने आरोपी से बरामद वस्तुओं को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

ठाणे पूर्व से बिजली शिकायत केंद्र हटाने से लोगों में आक्रोश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा क्षेत्र के दस नगरसेवकों वाले ठाणे (पूर्व) के कोपरी संभाग में महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल का बिजली शिकायत निवारण केंद्र पिछले तीन दशकों से नागरिकों के लिए एक बड़ी सुविधा बना हुआ था। लेकिन हाल ही में इस केंद्र को अचानक ठाणे (पश्चिम) के रहेजा गार्डन में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे कोपरी क्षेत्र के नागरिकों में रोष की लहर दौड़ गई है। ठाणे पूर्व शिवसेना ने इस निर्णय का विरोध करते हुए एक लिखित बयान जारी किया है और केंद्र को पुनः कोपरी में शुरू करने की मांग की है।

नागरिकों और स्थानीय नेताओं ने जताई कड़ी आपत्ति

स्थानीय नागरिकों और शिवसेना पदाधिकारियों ने बताया कि 30 वर्षों से संचालित यह केंद्र आम उपभोक्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए बड़ी सुविधा था। अब उन्हें ठाणे पश्चिम के भीड़भाड़ वाले इलाके में जाना पड़ रहा है, जिससे समय, पैसा और मेहनत तीनों की बर्बादी हो रही है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत सिनकर ने कहा कि कोपरी क्षेत्र के नागरिक नियमित रूप से बिजली बिल, मीटर रीडिंग, शिकायत निवारण, कनेक्शन और नाम स्थानांतरण जैसी सेवाओं के लिए इस केंद्र का उपयोग करते थे। लेकिन अब केंद्र के स्थानांतरण के बाद उन्हें ट्रैफिक, यात्रा खर्च और समय की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस केंद्र को कोपरी में वापस नहीं खोला, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

क्या है मामला?

उल्लेखनीय है कि ठाणे पूर्व का कोपरी क्षेत्र शहर की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा है और यह क्षेत्र ऐतिहासिक तथा यातायात की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। नवी मुंबई व पनवेल के लिए लोकल ट्रेन सेवाओं के शुरू होने से यहाँ का यातायात कई गुना बढ़ चुका है। अब जब ठाणे मनपा का सैटीस पुल भी शीघ्र यातायात के लिए खुलने वाला है, ऐसे में ठाणे पूर्व की उपेक्षा ने स्थानीय नागरिकों के असंतोष को और गहरा कर दिया है।

प्रशासन और स्थानीय नेतृत्व की प्रतिक्रियाएं

महावितरण के अधिकारियों ने बताया कि केंद्र के ठाणे पश्चिम में स्थानांतरण के बावजूद नागरिकों की सुविधा के लिए शिकायत निवारण हेतु अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे। वहीं ठाणे पूर्व के शिवसेना संभाग प्रमुख संतोष बोडके ने कहा कि कोपरी क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को इस निर्णय से भारी परेशानी हो रही है। इस केंद्र को स्थानांतरित करने का कोई औचित्य नहीं है। नागरिकों के हित में इसे फिर से उसी स्थान पर शुरू किया जाना चाहिए।

ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में एसटी डिपो मैनेजर निलंबित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (एसटी) के अमरावती मंडल के पार्थवाड़ा डिपो प्रबंधक जीवन वानखेड़े को ड्यूटी के दौरान नशे में धुत रहने और लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। राज्य परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधकों ने यह निर्णय लिया है। विभाग ने कहा है कि अगर जांच में आरोप साबित होते हैं, तो वानखेड़े को सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। वानखेड़े ने खुद सुरक्षा एवं सतर्कता विभाग को फोन कर जानकारी दी थी कि वह ड्यूटी के बजाय शराब पीकर अपने सरकारी आवास पर हैं। इसके बाद टीम ने छापा मारकर शिकायत को सही पाया और उनका मेडिकल परीक्षण अचलपुर उपजिला अस्पताल में कराया, जिसमें नशे की पुष्टि हुई। उनके खिलाफ महाराष्ट्र मद्य निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 85(1) के तहत पार्थवाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि डिपो प्रबंधक पूरे दिन शराब पीकर ड्यूटी से नदारद था, जिससे कई बस रूट रद्द करने पड़े और एसटी निगम को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। सरकारी आवास और डिपो में शराब पीने से संस्था की छवि को भी नुकसान पहुँचा।

बांद्रा टर्मिनस एवं दुर्गापुरा के बीच स्पेशल ट्रेन चलाएगी पश्चिम रेलवे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तथा अतिरिक्त यात्री यातायात की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं दुर्गापुरा स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने इसकी जानकारी दी।

बांद्रा टर्मिनस – दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस–दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 10 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे दुर्गापुरा पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुर्गापुरा–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 9 नवंबर, 2025 को दुर्गापुरा से 12:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी–2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

'रेलवन ' मोबाइल ऐप अब एंड्रॉइड प्ले स्टोर और आयओएस पर उपलब्ध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

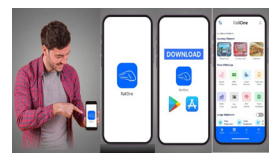

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को सभी प्रमुख सेवाएं एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक अभिनव मोबाइल ऐप “रेलवन” लॉन्च किया है। यह ऐप अब गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर दोनों पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। रेलवन ऐप आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग, पीएनआर स्टेटस, ट्रेन की जानकारी, यात्रा योजना, भोजन बुकिंग और मालवाहतूक सेवाओं जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर प्रदान करता है। इससे यात्रियों को अब विभिन्न ऐप्स का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी।

एक क्लिक में सभी रेलवे सेवाओं तक पहुंच

रेलवन ऐप में सिंगल साइन-ऑन की सुविधा दी गई है, जिससे यात्री अपने मौजूदा रेल कनेक्ट या यूटिएस ऑन मोबाइल आईडी से सीधे लॉगिन कर सकते हैं। ऐप में रेलवे ई-वॉलेट और mPIN/बायोमेट्रिक लॉगिन जैसे सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं, जो टिकट बुकिंग को तेज़ और आसान बनाते हैं। नए उपयोगकर्ता भी केवल मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से आसानी से रजिस्टर कर सकते हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे “रेलवन” ऐप डाउनलोड करें और टिकट बुकिंग व यात्रा अनुभव को और अधिक सहज, सुरक्षित और डिजिटल बनाएं।

1 दिसंबर को टीएमसी का जनता दरबार

17 नवंबर तक होंगी अर्जी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम का अगला लोकशाही दिवस सोमवार, 1 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। नागरिकों को सूचित किया गया है कि वे अपने आवेदन दो प्रतियों में नगर निगम भवन स्थित शहरी सुविधा केंद्र में जमा करें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन के साथ फॉर्म-1(B) संलग्न करना अनिवार्य होगा, जो शहरी सुविधा केंद्र पर उपलब्ध है।

अभ्यावेदन स्वीकार करने की शर्तें

मुख्यालय में आयोजित होने वाले लोकशाही दिवस में केवल उन्हीं अभ्यावेदनों पर विचार किया जाएगा, जो पहले जिला लोकशाही दिवस में प्रस्तुत किए जा चुके हैं या जिन पर एक माह से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। नागरिकों को आवेदन करते समय जिला लोकशाही दिवस में प्राप्त टोकन संख्या का उल्लेख करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक आवेदन में केवल एक शिकायत दर्ज की जा सकती है; एक से अधिक शिकायतों वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। साथ ही, न्यायालयों, लोकायुक्त, सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों या राजनीतिक दल/संगठन के लेटरहेड पर किए गए आवेदन स्वीकार नहीं होंगे, जब तक कि वे व्यक्तिगत प्रकृति की शिकायतें न हों।

आवेदन प्रक्रिया और नियम

ठाणे मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक प्रसुधा-1099/सीआर-23/98/18-ए, दिनांक 26 सितंबर 2012 के अनुसार आवेदन प्रक्रिया का पालन करें। इस परिपत्र के मुताबिक, अब लोकशाही दिवस पर सीधे अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे, बल्कि नागरिकों को अपनी शिकायतें लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले दो प्रतियों में जमा करनी होंगी।

बदलापुर कैंसर जांच शिविर में चिकित्सकों की निगरानी में 56 लोगों का परीक्षण

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

ठाणे जिले के नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से जिला परिषद ठाणे और भारतीय कैंसर सोसायटी के संयुक्त सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बदलापुर में गैर-संचारी रोग जांच एवं जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह पहल जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल (आईबीएस), मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

विशेषज्ञ टीम ने की नागरिकों की जांच

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की। महिलाओं के लिए एचपीवी डीएनए और वीआईए परीक्षणों के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर की जांच की गई। मुख और स्त्री रोग विशेषज्ञों ने नागरिकों की संपूर्ण स्वास्थ्य जाँच की, जबकि चिकित्सकों ने मधुमेह और रक्तचाप की जांच के साथ परामर्श भी दिया। कुल 56 नागरिकों ने इस पहल का लाभ उठाया, जिनमें 13 पुरुष और 43 महिलाएँ शामिल थीं।

कैंसर की समय पर पहचान और जागरूकता पर जोर

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कैंसर का शीघ्र निदान, नागरिकों में जागरूकता फैलाना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था। शिविर के दौरान मुख कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच की गई। साथ ही मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों की भी जांच की गई ताकि रोगों की प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान हो सके।

स्थानीय चिकित्सा टीम की सक्रिय भागीदारी

भारतीय कैंसर सोसायटी के विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शिविर की सफलता में अहम भूमिका निभाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बदलापुर की ओर से डॉ. प्रशांत कनोजा, डॉ. अश्विनी वाने, स्वास्थ्य सहायक शुभांगी नेवारे, जितेंद्र बोरकर, प्राची भादे और माया केदार ने सक्रिय सहयोग दिया। साथ ही आशा कार्यकर्ता संजीवनी पाटिल, अश्विनी बंसोड़ और यूपीएचसी कत्रप की अन्य कार्यकर्ता भी नागरिकों को मार्गदर्शन प्रदान करने में शामिल रहीं।

स्वास्थ्य जांच जरूरी, जागरूकता ही सुरक्षा: डॉ. पारगे

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे ने कहा, “कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसलिए नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए और संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए।” उन्होंने बताया कि ऐसे शिविरों से लोगों में जागरूकता बढ़ाने और बीमारियों की समय पर पहचान में मदद मिलती है।

ठाणे जिले में कुपोषण दर में आई कमी

जिला पोषण अभिसरण समिति और कुपोषण उन्मूलन कार्यबल की बैठक में समीक्षा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में 6 नवंबर को जिला कलेक्टर कार्यालय में जिला पोषण अभिसरण समिति एवं कुपोषण उन्मूलन कार्यबल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में ठाणे जिले में कुपोषण की दर में कमी दर्ज की गई है। बैठक में बताया गया कि ठाणे जिले के 3,561 आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से नियमित रूप से 100 प्रतिशत पूरक पोषण वितरण किया जा रहा है। जिला कलेक्टर ने इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि इन सतत पहलों के कारण जिले में कुपोषण की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

अधिकारियों और विभागों की व्यापक भागीदारी

बैठक में जिला शल्य चिकित्सक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) संजय बागुल, नोडल अधिकारी संतोष भोसले, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी, नगर निगमों के चिकित्सा अधिकारी, शिक्षा विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, आरबीएचके प्रतिनिधि और यूनिसेफ सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम स्तर पर पोषण निगरानी

बैठक में वीसीडीसी (ग्राम बाल विकास समिति) और सीटीसी (बाल उपचार केंद्र) के प्रभावी संचालन पर जोर दिया गया। बाल गृह भ्रमण, वजन-ऊंचाई माप के समय पर रिकॉर्ड, भोजन वितरण की गुणवत्ता और पूरक आहार के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष निर्देश दिए गए।

स्थायी सुधार के लिए क्षमता निर्माण पर जोर

डॉ. पांचाल ने कहा कि पोषण प्रणाली में स्थायी सुधार के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षण और सतत पर्यवेक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

आंगनवाड़ी सशक्तिकरण दल का गठन

आंगनवाड़ी सेवाओं की दक्षता बढ़ाने के लिए, जिला कलेक्टर ने “आंगनवाड़ी सशक्तिकरण दल” गठित करने का निर्णय लिया। इस दल में जिला कार्यक्रम अधिकारी, सीडीपीओ, एनजीओ प्रतिनिधि और यूनिसेफ अधिकारी शामिल होंगे। यह दल प्रशिक्षण, निगरानी और सेवा गुणवत्ता में सुधार का कार्य करेगा। डॉ. पांचाल ने कहा कि ठाणे जिले में बच्चों और माताओं का पोषण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरक आहार का 100 प्रतिशत वितरण सराहनीय है, लेकिन अब ध्यान गुणवत्ता सुधार पर होना चाहिए। स्थानीय स्तर पर सक्रिय भागीदारी से ‘कुपोषण मुक्त ठाणे’ का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होगा।

मंत्रालय में 'वंदे मातरम' गीत का सामूहिक गायन

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सभी ने 'वंदे मातरम' गाया था : मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को मंत्रालय में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जाति, पंथ, धर्म और भाषा के भेदों को भुलाकर सभी ने वंदे मातरम गाया था। उन्होंने कहा कि "वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का मूल मंत्र था और क्रांतिकारियों का नारा भी इसी गीत से बना था।" मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पद्मजा फेनानी-जोगलेकर सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर वंदे मातरम गाकर राष्ट्रीय भावना को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंत्रालय में कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग तथा सांस्कृतिक कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मुख्य सचिव राजेश कुमार, पद्मश्री पद्मजा फेनानी-जोगलेकर और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

वंदे मातरम एक गीत नहीं, भावना का प्रतीक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि एक ऐसी भावना है जो देश को जोड़ती है। उन्होंने बताया कि कोलकाता के टाउन हॉल में पहली बार 30 हजार लोगों ने मिलकर वंदे मातरम का उद्घोष किया था। वंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत प्रेरणा और संघर्ष का प्रतीक बन गया।

स्वतंत्रता संग्राम में गूंजता रहा वंदे मातरम

फडणवीस ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी फांसी पर चढ़ते समय भी 'वंदे मातरम' का उच्चारण करते थे। महात्मा गांधी अपने हर पत्र का समापन भी इसी शब्द से करते थे। स्वतंत्र भारत के ध्वज की रचना में भी "वंदे मातरम" लिखा गया था। भारत के संविधान निर्माण के बाद "जन गण मन" और "वंदे मातरम" दोनों को समान रूप से राष्ट्रगान का दर्जा देकर सम्मानित किया गया।

'गीत जो हर धर्म और नागरिक को प्रेरित करता है'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि पूरे भारत का गीत है। यह गीत मातृभूमि का वर्णन करता है और सभी धर्मों को प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में सामूहिक वंदे मातरम कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने इस अवधारणा को आगे बढ़ाया, जिसके तहत हर स्कूल और संस्थान में यह गीत गूंज रहा है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि आज फिर वही भावना जगाने की आवश्यकता है जो 1905 के वंगभंग आंदोलन और स्वतंत्रता प्राप्ति के समय थी। उन्होंने आह्वान किया कि भारत को ऐसा राष्ट्र बनाया जाए जो विश्व का मार्गदर्शन करे — नालंदा और तक्षशिला जैसी शिक्षा परंपराओं को पुनर्जीवित करे और भगवान बुद्ध के दर्शन को पूरे विश्व तक पहुंचाए।

टक्कर के बाद दो कारें जलकर खाक

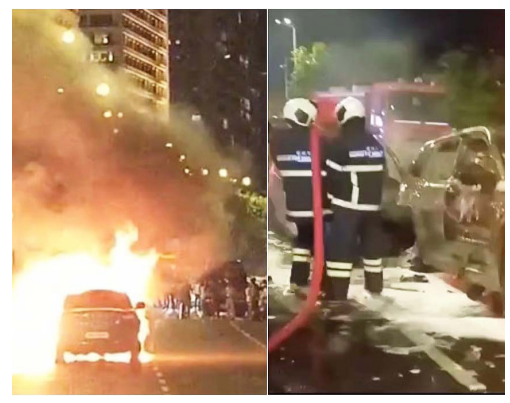

ट्राइडेंट होटल के पास हुई घटना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पर शुक्रवार शाम ट्राइडेंट होटल के निकट एक भीषण सड़क हादसा हुआ। पीछे से हुई टक्कर के बाद एक कैब सहित दो कारों में आग लग गई, जिससे दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीएनजी से चलने वाली एक काली-पीली टैक्सी ने दूसरी कार को पीछे से टक्कर मारी। टक्कर के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

एक नगर निगम अधिकारी के अनुसार, दमकल विभाग को रात करीब आठ बजे हादसे की सूचना मिली। तुरंत दो दमकल गाड़ियां और अन्य सहायता वाहन मौके पर पहुंचे और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया।

हादसे से प्रभावित हुआ ट्रैफिक

इस हादसे के चलते मरीन ड्राइव के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही कुछ समय के लिए बाधित रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात को धीरे-धीरे सामान्य किया।

मादक पदार्थ और सोने की तस्करी के मामलों में 4 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर तीन अलग-अलग मामलों में मादक पदार्थ और सोने की तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों मामलों की गहन जांच जारी है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पहले मामले में कस्टम अधिकारियों ने बैंकॉक से मुंबई पहुंचे एक यात्री को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 5.922 किलोग्राम मारिजुआना बरामद की गई। बरामद मादक पदार्थ की कीमत लगभग 5.92 करोड़ रुपये बताई गई है। जांच के दौरान पाया गया कि यात्री ने यह नशीला पदार्थ अपने चेक-इन ट्रॉली बैग में बड़ी सावधानी से छिपा रखा था। आरोपी पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दूसरे मामले में, प्रोफाइलिंग के आधार पर बैंकॉक से आए दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 12.017 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद हुआ। इसकी कुल बाजार कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है।

दुबई से आए यात्री के पास से सोना बरामद

तीसरे मामले में कस्टम टीम ने दुबई से आए एक यात्री को रोका, जो अपने शरीर पर सोना छिपाकर भारत लाने की कोशिश कर रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 225 ग्राम वजन की आठ सोने की चूड़ियां बरामद की गईं, जिनकी कीमत 25 .64 लाख रुपये बताई गई है। कस्टम विभाग ने बताया कि चारों आरोपितों से गहन पूछताछ जारी है और तस्करी के संभावित नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

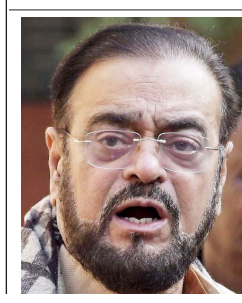

अबु आजमी के राष्ट्रीय गीत गाने से इनकार के बाद भाजपा का हंगामा

मुंबई। वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। हालांकि इस जश्न के बीच वंदे मातरम को लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। शुक्रवार को मुंबई में भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने सपा नेता अबु आजमी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और सपा नेता से राष्ट्रीय गीत गाने की मांग की।

महिला विश्व कप विजेता बेटियों का महाराष्ट्र में सम्मान

सरकार ने करोड़ों के नकद पुरस्कार दिए

विश्व विजेता महिला क्रिकेट टीम की जीत देश की बेटियों के लिए प्रेरणा : देवेंद्र फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में वर्ल्ड चैंपियन टीम की तीन स्टार खिलाड़ियों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव को सम्मानित किया और उन्हें करोड़ों के नकद पुरस्कार भी दिए। साथ ही टीम के कोच अमोल मजूमदार को भी सम्मानित किया गया।

अमोल मजूमदार को भी किया सम्मानित

महाराष्ट्र सरकार ने इन खिलाड़ियों के साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार को भी सम्मानित किया और 22.5 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इसके अलावा, सहयोग स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 11-11 लाख रुपए दिए गए

महाराष्ट्र सरकार ने खिलाड़ियों का दिया बड़ा सम्मान

वर्ल्ड कप जीतने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार, 7 नवंबर को दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' में एक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम की सदस्य स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव को सम्मानित किया और प्रत्येक खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। सीएम फडणवीस ने तीनों खिलाड़ियों को 'महाराष्ट्र का गौरव' बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला टीम की जीत ने देश कीहर युवा लड़की को खेलों में आगे बढ़ने और वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करेगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग को गर्भपात की अनुमति दी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न की शिकार 15 वर्षीय नाबालिग को गर्भपात की अनुमति दी है। पीड़िता 27 सप्ताह की गर्भवती थी, और मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि गर्भावस्था जारी रहने से उसे गंभीर पीड़ा और मानसिक आघात का सामना करना पड़ेगा। पीड़िता की मां ने मुंबई के पवई पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश डी. पाटील की खंडपीठ ने पीड़िता के पिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 'मनोधैर्य योजना' के तहत पीड़िता को मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू करे।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

सहायक विद्युत अभियंता, ई.एम.यू. कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई **ई-निविदा सूचना क्रमांक: EL90-MX-2025-26-03-M/RT1, दिनांक: 04.11.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान:** ई.एम.यू. कार्यशाला, महालक्ष्मी में ए.सी./नॉन-ए.सी. ई.एम.यू., आई.सी.एफ.-ए.सी./नॉन-ए.सी. एम.ई.एम.यू., वंदे भारत, ट्रेन-18, टॉवर वैगन तथा अन्य प्रकार की बोगियों (ट्रॉली) का डिस्मेंटलिंग कार्य तथा उनके संबंधित पुर्जों/घटक को नामित **बिन्स/स्थानों पर स्थानांतरित करना अनुमानित लागत:** 34,80,184/- **ई.एम.डी.:** 69,600/- **प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समय:** 26.11.2025, दोपहर 14:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 26.11.2025, दोपहर 14:00 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in**

0757

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मुंबई मंडल में सभी वाहनों के लिए और पार्क करें और भुगतान करें व्यवस्था का संचालन

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे। मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, पार्किंग अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई - 400 008, कार्य: मुंबई मंडल में "सभी वाहनों के लिए भुगतान करें और पार्क करें व्यवस्था" का संचालन।

नीलामी सूची संख्या: BCT-PKG-2526-41 | **ई-नीलामी की तिथि: 12.11.2025**

ईएमडी - वार्षिक बोली मूल्य का 10% | **ई-नीलामी का समय: 12:00 बजे**

क्रमांक	स्टेशन	स्थान	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	कार्यकाल
1	खंडबार	दक्षिण पूर्व	400	03 वर्ष
2	नंदुरबार	दक्षिण पश्चिम	624	03 वर्ष
3	नयापुर	दक्षिण पश्चिम	479	03 वर्ष
4	चिंचिपाड़ा	दक्षिण पश्चिम	192	03 वर्ष
5	अमलनेर	दक्षिण पश्चिम	247.5	03 वर्ष
6	उंगु	माल यार्ड	3902.75	03 वर्ष
7	वापी	पूर्व	1064.3	03 वर्ष

नीलामी सूची संख्या: BCT-PKG-2526-39 | **ई-नीलामी की तिथि: 19.11.2025**

ईएमडी - वार्षिक बोली मूल्य का 10% | **ई-नीलामी का समय: 12:00 बजे**

क्रमांक	स्टेशन	स्थान	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	कार्यकाल
1	मढ़ी	नए भवन में	757.87	03 वर्ष
2	बोइसर	पश्चिम	2035.78	03 वर्ष
3	प्रभादेवी	पश्चिम	309.29	03 वर्ष

नोट: अधिक जानकारी के लिए, संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। साइटों से संबंधित जानकारी उपर्युक्त कैटलॉग में लॉट विवरण में उपलब्ध है। 0755

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

मुंब्रा रेल हादसा अधिक भीड़ के कारण हुआ : अभियंता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ठाणे जिले के मुंब्रा ट्रेन हादसे से जुड़े गैर-इरादतन हत्या के मामले में नामजद दो रेलवे अभियंताओं ने शुक्रवार को अदालत में कहा कि यह दुर्घटना उनकी लापरवाही का परिणाम नहीं, बल्कि ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण हुई थी। यह हादसा जून माह में हुआ था, जिसमें पांच यात्रियों की मौत हो गई थी। दोनों अभियंता — सहायक मंडल अभियंता विशाल डोलस और वरिष्ठ विभागीय अभियंता समर यादव — ने गिरफ्तारी से पहले दाखिल की गई जमानत याचिका में यह तर्क दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी.टी. पवार ने पुलिस को इस याचिका पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया और मामले की सुनवाई 11 नवंबर तक स्थगित कर दी।

इस तरह हुआ था हादसा

रेलवे पुलिस (जीआरपी) की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना 9 जून को ठाणे जिले के दीवा और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों के बीच हुई थी। उस समय कसारा और मुंबई सीएसएमटी की ओर जाने वाली दो लोकल ट्रेनें एक मोड़ पर एक-दूसरे को पार कर रही थीं, तभी ट्रेनों के डिब्बों के फुटबोर्ड पर लटककर यात्रा कर रहे यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए। टकराने के बाद कुछ यात्री पटरी पर गिर पड़े, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद जीआरपी ने एक नवंबर को रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। फिलहाल जांच जारी है और पुलिस अदालत के निर्देशानुसार रिपोर्ट तैयार कर रही है।

अभियंताओं का पक्ष

अभियंताओं की ओर से पेश हुए वकील बलदेव राजपूत ने अदालत को बताया कि घटना किसी तकनीकी या रखरखाव की चूक के कारण नहीं हुई। उन्होंने कहा कि "अगर यह हादसा रेलवे की विफलता से हुआ होता, तो रोजाना इसी मार्ग से गुजरने वाली 200 ट्रेनों में भी ऐसे हादसे देखने को मिलते।"

राजपूत ने आगे कहा कि दोनों अभियंता सरकारी कर्मचारी हैं और जांच में सहयोग करने के लिए किसी भी समय उपलब्ध रहेंगे।

'मैकडॉनल्ड्स' रेस्तरां में लगी आग

पांच दमकलकर्मी अस्पताल में भर्ती

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दादर इलाके के एक मॉल में स्थित 'मैकडॉनल्ड्स' रेस्तरां की रसोई में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। आग बुझाने के दौरान दम घुटने से पांच दमकल कर्मी प्रभावित हुए, जिन्हें तुरंत सरकारी केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सभी की हालत स्थिर है।

अधिकारियों के मुताबिक, आग अपराह्न साढ़े तीन बजे लगी, जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियां और अन्य वाहन मौके पर भेजे गए। करीब तीन घंटे के प्रयास के बाद शाम छह बजकर 20 मिनट पर आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। अस्पताल में भर्ती दमकलकर्मियों में वरिष्ठ अधिकारी हरीश नारकर (45), कपिल धमारे (20), प्रवीण पवार (32), संजू पाडवी (29) और सुदर्शन अहिरे (33) शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे

ओएचई कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (उप), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल द्वारा **ई-निविदा क्र.: WR-MMCTOESUB (ESOT)/22/2025, दिनांक: 03.11.2025 आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम:** चर्चगेट-विरार खंड के विभिन्न स्थलों पर यार्ड के सुधार एवं उन्नयन के संबंध में ओएचई कार्य। **अनुमानित लागत:** 6,21,23,631/- **बोली सुरक्षा** (Bid Security): 4,60,600/- **प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समय:** 02.12.2025, दोपहर 15:00 बजे तक **खुलने की तिथि एवं समय:** 02.12.2025, दोपहर 15:30 बजे विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ।

0754

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

विखंडन, सफाई एवं अन्य कार्य

कार्य का विवरण: आईसीएफ कोचों के एयर ब्रेक घटकों का विखंडन, सफाई, संयोजन, परीक्षण, पेंटिंग और हैंडलिंग। **मात्रा** : रेट शेड्यूल के अनुसार। **निविदा समापन/खोलने और समय की तिथि:** 29/11/2025, 12.00 बजे तक। निविदा विवरण और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदाएं वेबसाइट के माध्यम से केवल ई-टेंडरिंग प्राप्त में ही स्वीकार की जाएंगी।

निविदा सूचना क्र. आरआर/पीआर/डब्ल्युसी/1978/2024-25/84/RT Sai/625

रेलवे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

पश्चिम रेलवे

रखरखाव एवं विसंक्रमण कार्य

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा **ई-निविदा ई-निविदा सूचना क्र.: BCT/25-26/255, दिनांक 04.11.2025 को आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम एवं स्थान:** संताक्रूज – विरार खंड के अंतर्गत एडीईएन/ईस्ट-एन/बीवीआई के अधिकार क्षेत्र में भूमिगत (UG) एवं ऊपरी (OH) जल टैंकों का रखरखाव एवं विसंक्रमण कार्य, अवधि – 730 दिन। **कार्य की अनुमानित लागत:** 44,57,033.84 जमानत रक़म **(EMD):** 89,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 28.11.2025, अपराह्न 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 28.11.2025, अपराह्न 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ।

0759

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस दुर्गापुरा के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन नंबर	शुरुआती स्टेशन और डेस्टिनेशन	सेवा की तारीख	प्रस्थान	आगमन
09730	बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुर	10.11.2025	सुबह 10:00 बजे (सोमवार)	सुबह 5:30 बजे (अगले दिन)
09729	दुर्गापुरा - बांद्रा टर्मिनस	09.11.2025	दोपहर 12:25 बजे (रविवार)	सुबह 7:00 बजे (अगले दिन)

हाल्ट: दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशन।

संरचना: एसी - 2 टियर, एसी - 3 टियर, एसी - 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09730 की बुकिंग 08.11.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्य अभियंता (SO)विभाग

उपमुख्य अभियंता (SO) (परिवहन) - कार्यकारी अभियंता (परिवहन) जलनिस्सारण सेवा विभाग (WSSD)
क्र. सं. EE/Tr./5269/WSSD दिनांक: 07.11.2025

ई-निविदा सूचना

1	विषय	घाटकोपर गैरेज में स्वचालित वाहन धुलाई एवं पुनर्चक्रण प्रणाली के लिए मौसम सुरक्षा शेड (Weather Shed) की आपूर्ति और स्थापना का कार्य। **(बोली संख्या: 2025_MCGM_1241291)**
	बोली प्रारंभ होने की तिथि और समय	10/11/2025, प्रातः 11:00 बजे से
	बोली समाप्त होने की तिथि और समय	17/11/2025, सायं 4:00 बजे तक
	पता एवं संपर्क विवरण	कार्यकारी अभियंता, परिवहन (W.S.S.D.), सीवरेज ऑपरेशन बिल्डिंग, द्वितीय मंजिल, दादर पंपिंग स्टेशन कॉम्प्लेक्स,249, सेनापति बापट मार्ग, दादर (पश्चिम), मुंबई – 400028

विवरण के लिए कृपया वेबसाइट देखें: **https://portal.mcgm.gov.in**

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (परिवहन)
जलनिस्सारण सेवा विभाग
(W.S.S.D.)

पीआरओ/2141/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

पूर्व उपमुख्यमंत्री की विधवा बन पेंशन लेने के मामले में अग्रिम जमानत

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री रामराव आदिक की विधवा बनकर पेंशन लेने के मामले में महिला चिकित्सक को अग्रिम जमानत दी है। डॉक्टर लेखा पाठक पर पेंशन के लिए रामराव आदिक की विधवा बनकर धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप है। रामराव आदिक के बेटे पृथ्वीराज आदिक ने मार्च में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि चिकित्सक की उनके पिता से कानूनी रूप से शादी नहीं हुई थी।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु आमंत्रण - MRVC-W-CR-Carshed-EL-2025

(एक चरण एक लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, "**एमयूटीपी-III/ए के तहत मध्य रेलवे के कुर्ला, कलवा और सानपाड़ा कारशेड में कारशेड की क्षमता 12 कोच से बढ़ाकर 15 कोच रेक करने के लिए ओएचई संशोधन का कार्य** "हेतु ई—निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज e-procurement वेबसाइट "https://eprocure.gov.in."पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट "https://eprocure.gov.in."। पर परिपूर्ण ई -निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 08.12.2025 को दोपहर 15:00 बजे** तक है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा ।**

संपादकीय

आत्मघात की मजबूरी

यह तथ्य हृदयविदारक ही है कि देश में एक साल के दौरान करीब चौदह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। पहली नजर में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? विडंबना यह है कि देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन तंत्र को अपने परिसर में समता, ममता और सहजता का वातावरण तैयार करना होगा। जहां किसी भी तरह तनाव, मानसिक कष्ट व भेदभाव नजर न आए और कारगर शिकायत निवारण तंत्र विकसित हो। ऐसा न होने पर ही सरस्वती के मंदिरों में तनाव की फसल उग रही है। हमारे नीति-नियंता इस दुखदायी स्थिति पर अंकुश लगाने हेतु किसी तरह की गंभीर पहल करते नजर नहीं आते। यदि गाल बजाने वाले राजनेता कोई कदम उठाने की लोकलुभावनी घोषणा करते भी हैं तो भी जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। घोषणाएं प्रभावी भी होनी चाहिए। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। दुखद स्थिति यह भी है कि देश में छात्रों के आत्मघात के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसकी पुष्टि खुद राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो भी कर रहा है। जो साल 2023 में देश की शिक्षण संस्थाओं में 13,892 छात्रों की मौत को गले लगाने की बात स्वीकार करता है। सबसे दुखद स्थिति यह है कि यह संख्या पिछले एक दशक में पैंसठ प्रतिशत बढ़ी है। वहीं इस आंकड़े की तुलना यदि वर्ष 2019 से करें तो यह वृद्धि चौंतीस फीसदी दर्ज की गई है। जाहिर बात है कि यह वृद्धि छात्रों की मानसिक पीड़ा, हताशा और भविष्य के प्रति निराश होने की स्थिति को ही दर्शाती है। निश्चित रूप से हमारी शिक्षा की विसंगतियां भी इन आत्महत्याओं के मूल में हैं। देश में भाषा व बोर्ड स्तर पर पाठ्यक्रम व शिक्षण की स्थिति में खासा अंतर है। पैसे वालों के बच्चे महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं। रही-सही कसर उनके महंगे कोचिंग सेंटरों द्वारा पूरी की जाती है। हिंदी माध्यम से पढ़ने वाले छात्रों की सारी ऊर्जा अपने ज्ञान को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करने में चली जाती है। कालांतर में वे उच्च शिक्षा संस्थानों में हीनग्रंथि का शिकार हो जाते हैं। ऐसी तमाम ग्रंथियां छात्रों को अपराधबोध से भर देती हैं।

लोकतंत्र की नई सुबह या राजनीति की नई पटकथा ?

लेखक - किशन सनमुखदास भावनानी, कर विशेषज्ञ, स्तंभकार, साहित्यकार, अंतरराष्ट्रीय लेखक-चिंतक, कवि, गोंदिया (महाराष्ट्र)

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के इतिहास में 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव अब केवल एक प्रांतीय राजनीतिक घटना नहीं रहा, बल्कि यह भारत की जनसांख्यिक, सामाजिक और राजनीतिक चेतना का एक नया अध्याय बन गया है। पहले चरण में हुई 64.66 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने न केवल 1951 से अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, बल्कि यह स्पष्ट संदेश दिया कि बिहार की जनता अब मतदान को केवल अधिकार नहीं, बल्कि परिवर्तन का औजार मानने लगी है।

राजनीतिक प्रयोगशाला का नया प्रयोग

बिहार को लंबे समय से भारतीय लोकतंत्र की राजनीतिक प्रयोगशाला कहा जाता रहा है। जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन से लेकर लालू प्रसाद यादव की सामाजिक न्याय की राजनीति और नीतीश कुमार के सुशासन मॉडल तक, बिहार ने बार-बार राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय की है। किंतु 2025 का यह चुनाव कई दृष्टियों से अलग है।

1951 से अब तक के 17 विधानसभा चुनावों में बिहार ने कभी इतने बड़े पैमाने पर मतदान नहीं देखा। झारखंड के गठन (2000) के बाद हुए पाँच चुनावों में औसत मतदान 52 से 58 प्रतिशत के बीच रहा था, जबकि इस बार यह 64.66 प्रतिशत तक पहुंच गया — यह न केवल एक आंकड़ा है, बल्कि जनता की नवजागृत लोकतांत्रिक चेतना की अभिव्यक्ति है।

महिलाओं और युवाओं की निर्णायक भूमिका

इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय बात रही महिलाओं और युवाओं की भागीदारी। कई जिलों — सहरसा, भागलपुर, बांका और गया — में महिलाओं की मतदान दर 66 से 70 प्रतिशत तक रही। महिलाएं अब केवल परंपरागत भूमिका में नहीं, बल्कि नीति निर्धारण की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। उनके लिए सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे प्राथमिकता पर हैं।

दूसरी ओर, युवा वर्ग ने सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद, विमर्श और प्रचार में जिस तरह की सक्रियता दिखाई, वह इस बात का संकेत है कि बिहार की नई पीढ़ी अब वंशवाद और जातिवाद से परे एक नए राजनीतिक विमर्श को जन्म दे रही है।

जाति समीकरण से आगे बढ़ता बिहार

बिहार की राजनीति की पहचान सदैव जातिगत समीकरणों से रही है। यादव, कुर्मी, ब्राह्मण, दलित, मुसलमान और महादलित वोट बैंक पारंपरिक रूप से चुनावी समीकरणों का आधार रहे हैं। लेकिन इस बार जातिगत सीमाएं कुछ हद तक धुंधली हुई हैं।

शहरीकरण, शिक्षा का प्रसार और प्रवासन के बढ़ते प्रभाव ने सामाजिक ढांचे को नया आकार दिया है। अब मतदाता केवल जाति के आधार पर नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और शासन की विश्वसनीयता के आधार पर निर्णय ले रहा है। जाति अब निर्णायक नहीं, बल्कि सहायक कारक बन गई है।

तीन ध्रुवों की नई राजनीति

इस बार का चुनाव त्रिध्रुवीय हो गया है —

1 एनडीए गठबंधन (भाजपा और जदयू),

2 महागठबंधन (राजद, कांग्रेस और वाम दल),

3 जन स्वराज पार्टी, जो नए चेहरे के रूप में युवाओं और मध्यम वर्ग के बीच लोकप्रिय हुई है।

तीनों ही गुट इस उच्च मतदान को अपने पक्ष में देख रहे हैं। एनडीए इसे सुशासन और स्थायित्व का जनादेश बता रहा है, महागठबंधन इसे परिवर्तन की लहर कह रहा है, जबकि जन स्वराज पार्टी का दावा है कि जनता ने तीसरा विकल्प चुन लिया है।

इतिहास बताता है कि बिहार में जब भी मतदान प्रतिशत बढ़ा है, सत्ता परिवर्तन की संभावना बढ़ी है। 2015 में 56% मतदान के साथ महागठबंधन की जीत हुई, जबकि 2020 में 57.05% मतदान पर एनडीए को मामूली बढ़त मिली थी। ऐसे में 2025 का 64.66% मतदान यह सवाल खड़ा करता है — क्या यह जनता का गुस्सा है या विश्वास?

जनता का मनोविज्ञान और लोकतांत्रिक पुनर्जागरण

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अधिक मतदान अक्सर सत्ता के प्रति असंतोष का संकेत होता है। लेकिन बिहार की स्थिति इससे गहरी है। यहां जनता ने 'भावनात्मक मतदान' से आगे बढ़कर परिणामपरक मतदान की दिशा पकड़ी है।

यह उत्साह केवल राजनीतिक परिवर्तन की इच्छा नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के परिवर्तन का प्रतीक है। पलायन, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी पुरानी समस्याओं से जूझते समाज में जब इतने बड़े पैमाने पर मतदान होता है, तो यह संकेत है कि जनता अब निराशा से आशा की ओर बढ़ रही है।

इस बार ग्रामीण मतदाताओं ने असाधारण सक्रियता दिखाई। गांवों की इस सजगता ने यह सिद्ध किया कि भारत का लोकतंत्र अब केवल शहरी वर्ग की अवधारणा नहीं रहा, बल्कि उसकी जड़ें गांवों की मिट्टी में गहराई तक पैठ चुकी हैं।

आर्थिक कारक और मतदाता का दृष्टिकोण

बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक है, जहां प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। ऐसे में आर्थिक मुद्दे मतदाता के निर्णय में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं।

चुनाव आयोग की नई पहल और तकनीकी सुधार

2025 का यह चुनाव तकनीकी दृष्टि से भी ऐतिहासिक है। ईवीएम के साथ वीवीपैट की पारदर्शिता, डिजिटल मतदाता सूची और सोशल मीडिया की निगरानी ने प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय बनाया।

निर्वाचन आयोग ने ग्रामीण इलाकों में महिला-विशिष्ट मतदान केंद्र और दिव्यांग हितैषी बूथ स्थापित किए। इन पहलों ने लोकतंत्र की सहभागिता को नए स्तर तक पहुंचाया है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बिहार

यदि वैश्विक दृष्टिकोण से देखा जाए तो, बिहार का 64.66 प्रतिशत मतदान अद्वितीय उदाहरण है। अमेरिका में 2024 के चुनाव में मतदान केवल 61.3 प्रतिशत रहा और ब्रिटेन में 58 प्रतिशत — वहीं बिहार ने दुनिया को दिखाया कि लोकतंत्र की आत्मा अभी भी भारत के गांवों में धड़कती है।

निष्कर्ष : जनता ने लिखी लोकतंत्र की नई कहानी

यदि पूरे परिदृश्य का सम्यक विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट है कि 2025 का बिहार चुनाव भारतीय लोकतंत्र की नई सुबह का संकेत है। जनता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्माता बन गई है। 1951 के पहले आम चुनाव से लेकर अब तक की यात्रा लंबी रही, परंतु 2025 का यह चुनाव उस यात्रा का सबसे सजीव अध्याय बन गया है।

जीवन मंत्र

बुरे समय में भी, अगर हम रौशनी थामे रहें, तो खुशियाँ मिलती हैं

जीवन की कठिनाइयाँ हमें गिराने के लिए नहीं आतीं, बल्कि हमें मजबूत बनाने के लिए आती हैं। जो व्यक्ति हर दर्द को एक अनुभव की तरह स्वीकार करता है, वही सच्ची खुशियों का स्वाद जानता है।

यह हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, इंसान की आंतरिक सोच और विश्वास उससे भी बड़ी शक्ति रखता है। जब चारों ओर अंधेरा छा जाता है, तब एक छोटी सी रोशनी भी पूरे रास्ते को दिखाने लगती है। ठीक वैसे ही, जब जीवन में सब कुछ बिगड़ता हुआ लगे, तब हमारी सकारात्मक सोच और उम्मीद हमें आगे बढ़ने की दिशा देती है।

बुरे समय में अक्सर इंसान खुद को अकेला, असहाय और कमजोर महसूस करता है। लेकिन यही समय यह परखता है कि वह भीतर से कितना मजबूत है। यदि हम उस समय निराशा की जगह विश्वास को थाम लें, और शिकायत की जगह आभार व्यक्त करना सीख लें, तो हर कठिनाई एक नई सीख में बदल जाती है। जो व्यक्ति अपने जीवन की रौशनी को पहचान लेता है — यानी अपने भीतर की अच्छाई, अपनी क्षमताओं और अपने उद्देश्य को — वह कभी भी पूरी तरह टूटता नहीं।

रौशनी का दामन थामे रहने का अर्थ यह भी है कि हम अपने मन को अंधकार से बचाएँ। यह अंधकार किसी बाहर की चीज़ से नहीं आता, बल्कि हमारे भीतर के डर, ईर्ष्या, नफरत और आत्म-संदेह से पैदा होता है। जब हम इन भावनाओं पर नियंत्रण पा लेते हैं, और प्रेम, करुणा व शांति को अपनाते हैं, तब हमारे भीतर की रोशनी और भी प्रखर हो जाती है। यही रोशनी फिर दूसरों के जीवन में भी उजाला फैलाती है।

जीवन की कठिनाइयाँ हमें गिराने के लिए नहीं आतीं, बल्कि हमें मजबूत बनाने के लिए आती हैं। जो व्यक्ति हर दर्द को एक अनुभव की तरह स्वीकार करता है, वही सच्ची खुशियों का स्वाद जानता है। जब हम रौशनी को थामे रहते हैं, तब हम अपने भीतर वह साहस और दृढ़ता महसूस करते हैं जो हमें किसी भी परिस्थिति में स्थिर बनाए रखती है। इस प्रक्रिया में हम न केवल खुद को बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करते हैं।

कभी-कभी रौशनी थामे रखना आसान नहीं होता — जब हालात हमारे खिलाफ होते हैं, जब सपने टूट जाते हैं, जब लोग साथ छोड़ देते हैं। लेकिन ठीक उसी समय हमारी असली परीक्षा होती है। हमें याद रखना चाहिए कि हर रात के बाद सवेरा ज़रूर होता है। हर आँसू के बाद मुस्कान लौटती है। अगर हम उस एक किरण को पकड़कर रख लें — चाहे वह कितनी ही छोटी क्यों न हो — तो वही हमें अंधकार से बाहर निकालने के लिए काफी है।

आख़िर में, यह वाक्य हमें यही सिखाता है कि खुशी कोई बाहरी वस्तु नहीं, बल्कि एक मानसिक स्थिति है।

शख्सियत — उषा उत्थुप

संगीत की रानी

उषा अय्यर उत्थुप (जन्म 8 नवंबर 1947) एक भारतीय गायिका हैं, जो अपनी गहरी कंट्राल्टो आवाज़ और विभिन्न शैलियों व भाषाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। 1970 के दशक से भारतीय संगीत जगत में एक प्रमुख हस्ती, उन्हें एक फिल्मफेयर पुरस्कार मिला है और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 2011 में पद्मश्री और 2024 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

उषा अय्यर उत्थुप (जन्म 8 नवंबर 1947) एक भारतीय गायिका हैं, जो अपनी गहरी कंट्राल्टो आवाज़ और विभिन्न शैलियों व भाषाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। 1970 के दशक से भारतीय संगीत जगत में एक प्रमुख हस्ती, उन्हें एक फिल्मफेयर पुरस्कार मिला है और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 2011 में पद्मश्री और 2024 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

उषा का जन्म 7 नवंबर 1947 को मुंबई में एक तमिल परिवार में हुआ था। उनके पिता वैद्यनाथ सोमेश्वर सामी अय्यर थे। उन्होंने सेंट एग्नेस हाई स्कूल, बायकुला में पढ़ाई की। जब वह स्कूल में थीं, तो उन्हें संगीत की कक्षा से निकाल दिया गया था क्योंकि उनकी आवाज़ अन्य विद्यार्थियों जैसी नहीं थी। लेकिन उनके संगीत शिक्षक ने पहचान लिया कि उनमें कुछ संगीत है और उन्हें बजाने के लिए क्लैपर या त्रिकोण दिए। भले ही उन्होंने संगीत में औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया था, लेकिन वह संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं। उनके माता-पिता रेडियो पर किशोरी अमोनकर और बड़े गुलाम अली खान सहित पश्चिमी शास्त्रीय से लेकर हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत तक की विस्तृत श्रृंखला सुनते थे और वह उनके साथ शामिल हो जाती थीं। उन्हें रेडियो सीलोन सुनने में मज़ा आता था।

उनके पड़ोसी एस.एम.ए. पठान थे, जो उस समय पुलिस उपायुक्त थे। उनकी बेटी जमीला ने उषा को हिंदी सीखने और भारतीय शास्त्रीय संगीत अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस फ्यूजन दृष्टिकोण ने उन्हें 1970 के दशक में भारतीय पॉप संगीत के अपने अनूठे ब्रांड की शुरुआत करने में मदद की।

उनका विवाह जानी चाको उत्थुप से हुआ था, जो कोट्टायम के मनारकौड पेनुमकल परिवार से थे। उनकी एक बेटी अंजलि और एक बेटा सनी है, जिसका नाम "सनी" गाने के नाम पर रखा गया है। उनके पति जानी चाको का 8 जुलाई 2024 को हृदय गति रुकने से निधन हो गया।

उषा उत्थुप ने 1969 में चेन्नई में अपने संगीत करियर की शुरुआत की, माउंट रोड पर तत्कालीन सफायर थिएटर परिसर के तहखाने में नाइन जेम्स नामक एक छोटे से नाइट क्लब में गाना गाया, साड़ी और लेग कैलीपर्स पहने हुए। उनके प्रदर्शन को इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली कि नाइट क्लब के मालिक ने उन्हें एक हफ्ते तक रुकने के लिए कहा। अपने पहले नाइट क्लब गिग के बाद, उन्होंने कलकत्ता में "ट्रिनकास" जैसे नाइट क्लबों में गाना शुरू किया। वह अपने भावी पति उत्थुप से ट्रिनकास में मिलीं। लगभग उसी समय, उन्होंने "टॉक ऑफ द टाउन" में भी गाया, जिसे अब बॉम्बे (अब मुंबई) में "नॉट जस्ट जैज़ बाय द बे" के रूप में जाना जाता है। ट्रिनकास के बाद, उनकी अगली सगाई उन्हें दिल्ली ले गई जहाँ उन्होंने आइवरी-मर्चेंट की फ़िल्म बॉम्बे टॉकीज़ (1970) से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने शंकर-जयकिशन के साथ एक अंग्रेज़ी गीत गाया और फिर "हरे रामा हरे कृष्णा" गाया। मूल रूप से, उन्हें "हरे रामा हरे कृष्णा" के लिए आशा भोसले के साथ "दम मारो दम" गाना था, लेकिन अन्य गायकों की आंतरिक राजनीति के कारण उन्होंने वह मौका गँवा दिया और अंततः एक अंग्रेज़ी पद्य गाया।

1968 में, उन्होंने दो पॉप गानों "जंबालया" और द किंग्स्टन ट्रायो के "ग्रीनबैक डॉलर" के कवर गाने एक ईपी लव स्टोरी और "स्कॉच एंड सोडा" के लिए अंग्रेजी में रिकॉर्ड किए, जो भारतीय बाजार में खूब बिके।

जीवन ऊर्जा

पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे : जन्म- 8 नवंबर 1919 — जन्म

कला से जुड़ाव हमें जीवन का असली अर्थ सिखाता है

पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपाण्डे (8 नवम्बर 1919 – 12 जून 2000) लोकप्रिय मराठी लेखक, नाटककार, हास्यकार, अभिनेता, कथाकार और पटकथाकार, फिल्म निर्देशक और संगीतकार एवं गायक थे। उन्हें महाराष्ट्राचे लाडके व्यक्तिमत्व (महाराष्ट्र का लाड़ला व्यक्तित्व) कहा जाता है। महाराष्ट्र में उन्हें प्रेम से पु. ल. कहा जाता है। उन्होंने अनेक वर्षों तक अध्यापन भी किया। 'दूरदर्शन' की स्थापना के समय उसके साथ संबद्ध रहे।

जीवन के गहरे अर्थ को समझाने वाला एक अद्भुत विचार है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जीवन केवल सांस लेने या काम करने का नाम नहीं है, बल्कि कुछ रचने, महसूस करने और खुद को व्यक्त करने का नाम है। जब हम कला के किसी रूप — जैसे संगीत, नृत्य, चित्रकला, लेखन या अभिनय — से जुड़ते हैं, तो हम अपने भीतर की उस आवाज़ से मिलते हैं जो हमें हमारी असली पहचान से परिचित कराती है। कला हमें यह समझने में मदद करती है कि हमारी उपस्थिति इस दुनिया में केवल अस्तित्व के लिए नहीं, बल्कि सृजन के लिए है।

कला के साथ दोस्ती का मतलब है अपने दिल की गहराइयों में झाँकना। जब हम किसी कला में डूबते हैं, तो हम कुछ देर के लिए बाहरी दुनिया की हलचल से दूर हो जाते हैं और अपने भीतर की शांति को महसूस करते हैं। यह वही क्षण होता है जब हम खुद से सवाल पूछते हैं — "मैं कौन हूँ?" और "मैं क्यों हूँ?" कला इन सवालों के उत्तर शब्दों में नहीं, बल्कि अनुभवों में देती है। चाहे कोई रंगों में अपनी भावनाएँ उकेरे या संगीत में अपने मन की व्यथा गाए, हर कलाकार अपने भीतर की सच्चाई को सामने लाता है। यही प्रक्रिया हमें यह एहसास दिलाती है कि हमारा जन्म केवल जीने के लिए नहीं, बल्कि कुछ सुंदर छोड़ जाने के लिए हुआ है।

कला हमें जीवन के अर्थ से जोड़ती है क्योंकि यह आत्मा की भाषा है। जब हम कुछ रचते हैं, तो हम उस ऊर्जा से जुड़ते हैं जिससे सृष्टि बनी है। यह अनुभव इतना गहरा होता है कि हमें महसूस होता है — हम ब्रह्मांड का एक जीवंत हिस्सा हैं। जो लोग कला से दूर रहते हैं, वे अक्सर जीवन को केवल काम, जिम्मेदारियों और सफलता की दौड़ के रूप में देखते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भागवत कथा आत्मा को जागृति देती है

भागवत कथा केवल धार्मिक कथा नहीं, बल्कि जीवन के सत्य, कर्तव्य और भक्ति का अद्भुत संगम है। यह कथा हर उस व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है जो जीवन के गहरे अर्थ को समझना चाहता है। जब कोई व्यक्ति श्रद्धा और एकाग्रता से इसे सुनता है, तो उसके भीतर की चेतना जागृत होने लगती है। यह जागृति केवल ज्ञान की नहीं, बल्कि आत्मबोध की होती है — यानी अपने वास्तविक स्वरूप, अपने उद्देश्य और ईश्वर से अपने संबंध की पहचान। भागवत कथा हमें यह सिखाती है कि जीवन केवल भौतिक सुखों की प्राप्ति का नाम नहीं, बल्कि आत्मा की उन्नति की यात्रा है। भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उपदेश और कर्मों का वर्णन है, जो हमें धर्म, करुणा, प्रेम और सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन हमें यह सिखाता है कि कैसे कठिन परिस्थितियों में भी संतुलन बनाए रखना चाहिए, और कैसे कर्म करते हुए भी ईश्वर के प्रति समर्पित रहना चाहिए। जब हम इन कथाओं को सुनते हैं, तो हमारे भीतर छिपी संवेदनाएँ, भक्ति और मानवता पुनः जीवंत हो उठती हैं। यह कथा हमारे मन के अंधकार को मिटाकर उसमें प्रकाश भरती है। यही प्रकाश आत्मा की जागृति का संकेत है — जब व्यक्ति बाहरी जगत की अस्थायी वस्तुओं से हटकर भीतर के शाश्वत सत्य की ओर देखने लगता है।

भागवत कथा सुनना केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्मा को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। यह हमारे विचारों को पवित्र करती है, अहंकार को दूर करती है और हमें विनम्रता सिखाती है। कथा के माध्यम से मनुष्य यह समझ पाता है कि जीवन में जो कुछ भी होता है, वह ईश्वर की योजना का हिस्सा है, और हमें उस पर विश्वास रखना चाहिए। कथा में वर्णित भगवान की लीलाएँ हमें यह याद दिलाती हैं कि हर परिस्थिति में भक्ति और विश्वास बनाए रखना ही सच्ची साधना है। जब मन भक्ति में डूबता है, तो जीवन की चिंताएँ, भय और मोह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। व्यक्ति का मन स्थिर और शांत हो जाता है, जिससे जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक बनता है।

आत्मा की जागृति का अर्थ है अपने भीतर के ईश्वर को पहचानना। यह तब संभव होता है जब व्यक्ति बाहरी दिखावे से हटकर अपने अंतर्मन की आवाज़ सुनने लगता है। भागवत कथा हमें यही सिखाती है कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मिक शांति में है। यह कथा हमें भीतर की शक्ति, प्रेम और करुणा का अनुभव कराती है — और यही अनुभव जीवन को सार्थक बना देता है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकना सीखता है, तो उसे यह एहसास होता है कि ईश्वर कोई दूर स्थित सत्ता नहीं, बल्कि उसकी आत्मा में ही विद्यमान है। यह अनुभूति ही आत्मा की जागृति का प्रारंभ है।

अंततः, भागवत कथा आत्मा को वह दिशा देती है जिससे वह अपने असली घर — परमात्मा — तक पहुँच सके। यह कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए है। जब कोई व्यक्ति कथा के संदेशों को अपने कर्मों और व्यवहार में लागू करता है, तो उसका जीवन स्वयं एक "जीवित भागवत" बन जाता है। ऐसा व्यक्ति दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता है, क्योंकि उसके शब्दों, कर्मों और भावनाओं में ईश्वर की झलक दिखाई देने लगती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

अपने विचार

अगर आपसे जरा भी गलती हुई और आप कमल छाप या तीर छाप से जरा भी इधर-उधर गए तो फिर से जंगलराज आने वाला है। जमुई को जंगलराज चाहिए क्या? कल ही चुनाव का पहला चरण समाप्त हुआ है। लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है।

-**अमित शाह**, गृहमंत्री, भारत सरकार

यह बेहद विडंबनापूर्ण है कि जो लोग आज राष्ट्रवाद के स्वयंभू संरक्षक होने का दावा करते हैं यानी आरएसएस और भाजपा, उन्होंने अपनी शाखाओं या कार्यालयों में कभी वंदे मातरम या हमारा राष्ट्रगान जन गण मन नहीं गाया। इसके बजाय, वे नमस्ते सदा वत्सले गाते रहते हैं।

-**मल्लिकार्जुन खड़गे**, अध्यक्ष,कांग्रेस

नीतीश कुमार 20 वर्ष पर वैशाखी के सहारे बिहार के मुख्यमंत्री रहे। अब वे अस्वस्थ हैं। बीमार नीतीश कुमार के हाथों में बिहार का भविष्य सुरक्षित नहीं है।

-**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष, VIP पार्टी

इस बार जनता ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया है और 14 नवंबर को इतिहास लिखा जाएगा। जनता अब पारंपरिक राजनीति से ऊब चुकी है और नए विकल्प को लेकर उत्साह में है।

-**प्रशांत किशोर**, अध्यक्ष, जन सुराज पार्टी

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई से छपरा के बीच चार विशेष ट्रेनें चलाएगा रेलवे

मुंबई। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी), मुंबई और छपरा के बीच चार विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन ट्रेनों का उद्देश्य अतिरिक्त यात्री दबाव को कम करना और लंबी दूरी की यात्रा को सुगम बनाना है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 05588 विशेष गाड़ी 9 नवंबर को मुंबई एलटीटी से दोपहर 3:55 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 1:45 बजे छपरा पहुँचेगी। वहीं, 05587 विशेष गाड़ी 7 नवंबर को रात 10:45 बजे छपरा से रवाना होकर तीसरे दिन दोपहर 1:40 बजे मुंबई पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05590 विशेष गाड़ी 10 नवंबर को एलटीटी से चलेगी और 05589 विशेष गाड़ी 8 नवंबर को छपरा से रवाना होगी। इन ट्रेनों में एसी, स्लीपर, चेयरकार और सामान्य श्रेणी के कोच शामिल किए गए हैं। सभी विशेष गाड़ियों का ठहराव कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, रानी कमलापति, झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर और सीवान स्टेशनों पर रहेगा।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे, ठाणे में सामूहिक गायन से गूंजा परिसर

ठाणे। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा और राष्ट्रवाद का प्रतीक बने वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर ठाणे जिला परिषद में शुक्रवार को सामूहिक गायन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रमोद काले, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी वैजनाथ बुराडकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रसिद्ध लेखक बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंदमठ से निकले वंदे मातरम गीत ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रांतिकारियों के हृदय में जोश भरा, बल्कि आज भी यह गीत देशभक्ति, एकता और गौरव का प्रतीक बना हुआ है। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से वातावरण गुंजा दिया, वहीं राष्ट्रगान की सलामी देकर सभी ने देशप्रेम का संदेश दिया।

सेंट पीटर कॉलेज में 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन कार्यक्रम

वसई। वसई पश्चिम स्थित सेंट पीटर कॉलेज में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के छात्र, पदाधिकारी और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर इस गीत का संगठित गायन किया, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। यह सामूहिक स्वर वातावरण में उत्साह और राष्ट्रीय एकता का भाव भरता दिखाई दिया। स्वतंत्रता संग्राम के कठिन काल में वंदे मातरम ने करोड़ों भारतीयों में स्वाभिमान और आज़ादी का संकल्प जागृत किया था। आज यही गीत विकसित भारत के संकल्प को और दृढ़ता एवं नई दिशा प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर शेख, राहुल, भाजपा वसई विरार शहर जिला कार्यकर्ता मोर्चा अध्यक्ष सिद्धेश तावडे, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी और कॉलेज के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मध्य रेल पर 9 नवंबर को मेगा ब्लॉक की घोषणा

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल ने रविवार, 9 नवंबर 2025 को उपनगरीय खंडों पर इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक का ऐलान किया है। यह ब्लॉक मुख्य रूप से मेन लाइन और हार्बर लाइन पर निर्धारित समयावधि में लागू रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपने यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाते समय इन बदलावों को ध्यान में रखें।

हार्बर लाइन पर ट्रेनें रहेंगी रद्द, यात्रियों के लिए विशेष सुविधा

हार्बर लाइन पर कुर्ला और वाशी स्टेशनों के बीच सुबह 11:10 बजे से शाम 4:10 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से वाशी/बेलापुर/पनवेल की ओर 10:34 बजे से 3:36 बजे तक चलने वाली डाउन ट्रेनें और पनवेल से सीएसएमटी की ओर 10:17 बजे से 3:47 बजे तक चलने वाली अप ट्रेनें रद्द रहेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए सीएसएमटी–कुर्ला और पनवेल–वाशी खंड पर विशेष उपनगरीय ट्रेनें चलाई जाएंगी। साथ ही, यात्रियों को सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक ठाणे–वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच यात्रा की अनुमति दी गई है।

मेन लाइन पर सेवाओं का डायवर्जन और देरी

मेन लाइन पर माटुंगा से मुलुंड के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर सुबह 11:05 बजे से दोपहर 3:45 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस अवधि में 10:36 बजे से 3:10 बजे तक सीएसएमटी मुंबई से चलने वाली डाउन फास्ट ट्रेनें माटुंगा स्टेशन पर स्लो लाइन पर डायवर्ट होंगी और 15 मिनट की देरी से अपने गंतव्य पर पहुँचेंगी।

रविवार को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग तथा ओवर हेड उपस्करों के रख-रखाव हेतु रविवार, 09 नवंबर, 2025 को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच 10.00 बजे से 15.00 बजे तक अप तथा डाउन धीमी लाइनों पर पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ब्लॉक अवधि के दौरान धीमी लाइन की सभी उपनगरीय ट्रेनों को सांताक्रुज एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जायेगा। इसलिए, ये ट्रेनें प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण विले पार्ले स्टेशन पर नहीं रुकेंगी और फास्ट लाइनों पर प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण राम मंदिर स्टेशन पर भी नहीं रुकेंगी।

58वीं अखिल भारतीय रेलवे निशानेबाजी चैंपियनशिप में मध्य रेल बना ओवरऑल चैंपियन

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

58वीं अखिल भारतीय रेलवे निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025-26 में मध्य रेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता 1 से 5 नवंबर तक चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू), आसनसोल में आयोजित की गई थी। देशभर की 17 क्षेत्रीय रेलवे टीमों ने इसमें भाग लिया। मध्य रेल के निशानेबाजों ने व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में मध्य रेल के निशानेबाजों की चमक

प्रतियोगिता में मध्य रेल के कई निशानेबाजों ने स्वर्ण पदक जीतकर रेल खेल जगत में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन स्पर्धा में पंकज मुखेजा (सीसीटीसी, पुणे) और 10 मीटर एयर राइफल में शाहू माने (वरिष्ठ लिपिक, कल्याण) ने स्वर्ण पदक जीता। 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सुमेधकुमार देवलालवाला (उप सीटीआई, पुणे) और पायल खत्री (कनिष्ठ लिपिक, डीआरएम, मुंबई) ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि रिया थट्टे (कनिष्ठ लिपिक, सीडब्ल्यूएम, परेल) ने रजत पदक जीता। 50 मीटर प्रोन स्पर्धा में शाहू माने को रजत और पंकज मुखेजा को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। टीम श्रेणी में भी मध्य रेल का प्रदर्शन शानदार रहा। 50 मीटर प्रोन, 25 मीटर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में टीम ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन और 10 मीटर एयर राइफल वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।

वसई-विरार मनपा ने अनधिकृत निर्माणों पर कसी लगाम

ओपी यादव I वसई

मनपा आयुक्त के निर्देशानुसार अनधिकृत और अतिधोकादायक (अत्यंत खतरनाक) निर्माणों को हटाने के लिए विशेष पथक का गठन किया गया है। प्रत्येक प्रभाग के लिए एक वरिष्ठ लिपिक और चार कनिष्ठ अभियंता नियुक्त किए गए हैं, जो अपने क्षेत्र में अवैध और असुरक्षित इमारतों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और चॉलों पर कार्रवाई कर रहे हैं।

विभिन्न प्रभागों में बड़े पैमाने पर निष्कासन अभियान

6 नवंबर 2025 को आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त (उत्तर व दक्षिण) और उपायुक्तों के निर्देशानुसार कई क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। प्रभाग ए में डोंगरपाड़ा स्थित श्री गणेश इमारत (G+3) से 300 वर्गफुट निर्माण हटाया गया। प्रभाग बी में प्रगति नगर की साई पूजा बिल्डिंग से 600 वर्गफुट, प्रभाग सी में विरार (पूर्व) स्थित मनोहर इंडस्ट्रीज (G+3) से 8,700 वर्गफुट, तथा प्रभाग डी में आचोळे स्मशानभूमि के सामने 6,500 वर्गफुट अवैध निर्माण हटाया गया।

कुल 24,440 वर्गफुट अवैध निर्माण ध्वस्त

इसी तरह, प्रभाग ई में नालासोपारा पूर्व के डाबरे अपार्टमेंट और मनोज अपार्टमेंट से 3,900 वर्गफुट, प्रभाग एफ में धानिव से 900 वर्गफुट, प्रभाग जी में ससूनवघर स्थित वॉल्टन होटल से किनारा ढाबा तक 3,300 वर्गफुट और प्रभाग एच में माणिकपुर क्षेत्र के सर्वे नंबर 90 से 240 वर्गफुट निर्माण ध्वस्त किया गया। वसई–विरार शहर महानगरपालिका द्वारा 6 नवंबर को कुल 24,440 वर्गफुट अनधिकृत और अतिधोकादायक निर्माणों पर निष्कासन कार्रवाई पूरी की गई।

उथलसर- नौपाड़ा परिसर में सोमवार को बंद रहेगी जलापूर्ति

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

मनपा क्षेत्र के उथलसर प्रभाग समिति अंतर्गत सिद्धेश्वर जलकुंभ में नई पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इस कार्य के चलते कोलबाड़ क्षेत्र को जलापूर्ति करने वाली मुख्य जल आपूर्ति लाइन प्रभावित हो रही है, इसलिए 600 मिमी व्यास वाली टंकी को स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया है। यह स्थानांतरण कार्य सोमवार, 10 नवंबर को किया जाएगा।

सोमवार सुबह 9 बजे से मंगलवार सुबह 9 बजे तक जलापूर्ति बंद

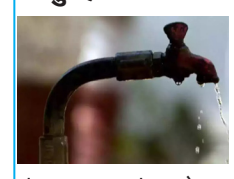

मनपा प्रशासन के अनुसार, सोमवार 10 नवंबर को सुबह 9 बजे से मंगलवार 11 नवंबर को सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। इस दौरान सिद्धेश्वर तालाब क्षेत्र, माता रमाबाई आंबेडकर नगर, गणेश वाड़ी, नितिन कंपनी, पाचपखाड़ी, हंस नगर, सिंह नगर, खोपट, फ्लावर वैली, शेलार पाड़ा, गोकुलदास वाड़ी, कोलबाड़, गोकुल नगर, चरई और धोबिआली जैसे इलाकों में पानी नहीं मिलेगा।

नागरिकों से संयमपूर्वक जल उपयोग की अपील

ठाणे मनपा ने नागरिकों से इस अवधि के दौरान जल का संयमित उपयोग करने की अपील की है। मंगलवार को आपूर्ति बहाल होने के बाद अगले एक से दो दिनों तक जल दबाव सामान्य से कम रहेगा। मनपा ने कहा है कि यह कार्य नागरिकों की दीर्घकालिक जल आपूर्ति सुविधा को मजबूत करने के लिए आवश्यक है, इसलिए सभी से सहयोग की अपेक्षा की गई है।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर आईआरसीटीसी का विशेष उत्सव

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी), पश्चिम क्षेत्र, मुंबई ने भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर राष्ट्र के साथ मिलकर विशेष उत्सव मनाया। इस अवसर पर सुबह 10:00 बजे आईआरसीटीसी के सभी कार्यालयों और इकाइयों में एक साथ यह गीत गूंज उठा। इसमें पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई, भोपाल, अहमदाबाद, रेल नीर संयंत्र अंबरनाथ (महाराष्ट्र) और मानेरी (मध्यप्रदेश), तथा क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर, जबलपुर और पुणे शामिल थे।

एकता और देशभक्ति का प्रतीक बना आयोजन

इस सामूहिक पहल के माध्यम से आईआरसीटीसी ने राष्ट्रीय मूल्यों, एकता और देशभक्ति की भावना के प्रति अपनी गहरी निष्ठा को पुनः अभिव्यक्त किया। 'वंदे मातरम्' गीत भारतीयों की पीढ़ियों को प्रेरित करता आया है और यह आयोजन उसी अमर भावना को नमन करने का प्रतीक बना। गीत के सामूहिक गायन से कर्मचारियों में उत्साह और देश के प्रति गर्व की भावना स्पष्ट रूप से झलकी।

समूह महाप्रबंधक गौरव झा का संदेश

इस अवसर पर गौरव झा, समूह महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के सभी प्रमुख स्थानों पर उपस्थित कर्मचारियों ने एक साथ गीत गाकर देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना व्यक्त की है। उन्होंने इस आयोजन को आईआरसीटीसी की एकता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया।

गांधीजी के सहयोगी रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स के वंशज की हर्षवर्धन सपकाल से सद्भावना भेंट

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निकट सहयोगी और ब्रिटिश क्वेकर चिंतक रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स के वंशज बेंजामिन हडसन ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से मुंबई स्थित तिलक भवन में सद्भावना भेंट की। इस अवसर पर गांधीवादी और क्वेकर परंपरा के ऐतिहासिक संवाद, सांस्कृतिक धरोहर, तथा आज के सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ में गांधी विचारों के पुनर्मूल्यांकन पर विचार-विमर्श किया गया।

गांधीवादी मूल्यों के पुनरुत्थान पर बल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा, ऐसे सांस्कृतिक और नैतिक आदान-प्रदान से महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और मानवता के सार्वभौमिक संदेश का पुनरुत्थान होता है। रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स जैसे सहयोगियों के वंशजों का आगमन क्वेकर और गांधीवादी विचारधारा के वैश्विक संबंधों को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह भेंट भारत और ब्रिटेन के बीच मानवीय और वैचारिक पुल को और सशक्त बनाती है।

रेनॉल्ड्स के योगदान का स्मरण

बेंजामिन हडसन ने अपने परदादा रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स और महात्मा गांधी के बीच के ऐतिहासिक संबंधों को स्मरण करते हुए भारत में प्रचलित गांधीवादी मूल्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। रेनॉल्ड्स प्रसिद्ध ग्रंथ The White Sahibs in India के लेखक थे, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की तीव्र आलोचना की और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की नैतिक भूमिका का समर्थन किया था। उनकी अन्य कृतियाँ The True Story of Gandhi और A Quest for Gandhi ने गांधीजी के जीवन और विचारों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव धनंजय रामकृष्ण शिंदे, डॉ. गजानन देसाई, मोहन तिवारी और सुभाष पाखरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ठाणे मनपा में देशभक्ति से गूंजा समारोह

ठाणे। बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के आज 7 नवंबर को 150 वर्ष पूरे होने पर पूरे देश में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। ठाणे मनपा मुख्यालय के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में भी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम गाकर इस ऐतिहासिक गीत को नमन किया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी और जी. जी. गोदेपुरे की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। देशभक्ति की भावना को जागृत करने वाले इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने वर्षभर कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इसकी शुरुआत नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हुए मुख्य समारोह से हुई। समारोह का सीधा प्रसारण ठाणे मनपा मुख्यालय में देखा गया। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने वंदे मातरम गायन के वीडियो संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट https://vandemataram150.in/ पर अपलोड कर इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनें।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय लाभप्रद रहेगा, नई योजनाएं बनेंगी। रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृष जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी। अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे।

कर्क दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें। चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा।

कन्या पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

तुला वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

वृश्चिक पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

धनु घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, आपसी संबंधों को महत्व दें। पूंजी संचय की बात बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मीन मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें।

नाम का पहला अक्षर और प्यार: अक्षरों में छिपे प्रेम के रंग और व्यक्तित्व के रहस्य

प्रियंका जैन
9769994439

N अक्षर वाले लोग ऊर्जावान, रचनात्मक और आज़ाद विचारों के होते हैं। ये जीवन को प्रयोग की तरह जीते हैं। इनका प्रेम भी वैसा ही होता है — नए अनुभव, नई भावनाएँ और नई कहानियाँ। ये रिश्ते में बंधन पसंद नहीं करते, मगर जब दिल से जुड़ते हैं तो पूरी निष्ठा से निभाते हैं।

O वाले लोग शांत और गंभीर दिखाई देते हैं, लेकिन भीतर से बहुत गहराई से प्रेम करते हैं। इन्हें स्थायित्व चाहिए। ये चाहेंगे कि उनका साथी उन्हें समझे, उनका सम्मान करे और कभी झूठ न बोले। इनका प्रेम गहरा होता है, और एक बार यदि दिल दे दिया तो जीवनभर के लिए।

P अक्षर वाले व्यक्ति आकर्षक, परिपक्व और थोड़े जिद्दी स्वभाव के होते हैं। ये समाज में अपनी छवि को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं, और चाहते हैं कि उनका प्यार भी उतना ही सुंदर दिखे। इनके लिए प्रेम में तर्क और रोमांस दोनों ज़रूरी हैं।

Q वाले व्यक्ति ऊर्जा से भरे, सक्रिय और थोड़े आवेगशील होते हैं। ये रिश्ते में रोमांच चाहते हैं। इनके लिए प्रेम स्थिरता नहीं, बल्कि गति है। ये हर दिन अपने रिश्ते को नई तरह से जीना पसंद करते हैं। इनका प्रेम जीवंत और रचनात्मक होता है।

R अक्षर वाले लोग गंभीर, परिपक्व और सटीक सोच वाले प्रेमी होते हैं। इन्हें अपने जैसे समझदार लोग पसंद आते हैं। ये रिश्ते को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं और उसमें गहराई चाहते हैं। ये दिखावे से दूर रहते हैं लेकिन जब प्रेम करते हैं तो आत्मा से करते हैं।

S वाले लोग रहस्यमयी और आत्मिक प्रेमी होते हैं। इनका प्रेम शब्दों में नहीं झलकता, पर अनुभव में उतर जाता है। ये इंतजार करना जानते हैं और अपने साथी के लिए बहुत धैर्य रखते हैं। ये भावनात्मक रूप से गहरे और भीतर से बेहद कोमल होते हैं।

T अक्षर वाले लोग संवेदनशील और आदर्शवादी होते हैं। इन्हें शांत वातावरण, संगीत और सच्चाई भाता है। प्यार में ये धीरे-धीरे खुलते हैं लेकिन जब खुलते हैं तो पूरी दुनिया बदल जाती है। इनका प्यार स्थायी और गहरा होता है।

U अक्षर वाले लोग रोमांचप्रिय और आदर्शवादी होते हैं। ये अपने साथी की खुशी को खुद से ज़्यादा महत्व देते हैं। इन्हें जीवन में खोज, अनुभव और प्रेम का संगम चाहिए। ये सच्चे अर्थों में समर्पित प्रेमी होते हैं।

V अक्षर के लोग आत्मविश्वासी और स्वतंत्र होते हैं। ये अपने लिए जीना जानते हैं और रिश्ते में स्वतंत्रता चाहते हैं। इनके लिए प्यार स्वामित्व नहीं, बल्कि सहभागिता है। ये गहराई से सोचते हैं और अपने साथी की मनोवृत्ति को समझने की कोशिश करते हैं।

W वाले व्यक्ति गर्वीले और आत्मसम्मान से भरे होते हैं। ये प्यार में भी ईमानदारी चाहते हैं। इनका प्रेम आदर्शवादी है। ये अपने साथी को उसी रूप में स्वीकारते हैं जैसे वह है। इनका रोमांस सरल और सच्चा होता है।

X अक्षर वाले व्यक्ति उत्साही, कल्पनाशील और थोड़ा बेचैन स्वभाव के होते हैं। इन्हें विविधता पसंद है। ये जीवन को एक कहानी की तरह जीते हैं, और उनके रिश्ते में हमेशा कुछ नया होता रहता है। इनका प्रेम कल्पना और रोमांच दोनों से भरा होता है।

Y वाले लोग आत्मनिर्भर, संवेदनशील और भावुक होते हैं। इन्हें प्यार में स्पर्श, संवाद और सच्चाई चाहिए। ये अपने साथी को बार-बार जताना पसंद करते हैं कि वे कितने अच्छे प्रेमी हैं। पर ये कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं करते।

Z अक्षर वाले लोग जीवन को हल्के-फुल्के अंदाज़ में जीते हैं। इन्हें हर जगह सुंदरता दिखती है।

न्यूज़ ब्रीफ

आजमगढ़ में 50 हजार का इनामिया मुठभेड़ में ढेर

आज़मगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में लखनऊ एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की शुक्रवार तड़के 50 हजार रूपये के इनामी बदमाश से मुठभेड़ हो गई। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके तीन साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही हैं। एसटीएफ के एसपी डीके शाही ने बताया कि टीम ने रौनापार थाना क्षेत्र के जोकहरा पुल के पास बदमाशों की घेराबंदी की, जिसमें दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को गोली तो वह घायल होकर गिर पड़ा। उसे देखकर उसके अन्य साथी भाग गए। टीम ने घायल बदमाश को इलाज के लिए सीएचसी हरैया भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान आजमगढ़ के फूलपुर निवासी वाकिब उर्फ वाकिफ (27) के रूप में हुई है। उस पर 50 हजार रूपये का इनाम घोषित था। उसके खिलाफ आजमगढ़, जौनपुर, कुशीनगर समेत अन्य जनपदों में चोरी, लूट, धोखाधड़ी, और अवैध गो-तस्करी सहित करीब 48 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

उमेश पाल हत्याकांड : अतीक के बहनोई, वकील की जमानत याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उमेश पाल हत्याकांड के चार आरोपियों—माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ. अखलाक अहमद, वकील विजय मिश्र, नौकर और ड्राइवर की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकलपीठ ने सुनाया। अदालत ने 29 अक्टूबर को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, डॉ. अखलाक अहमद पर फरार बमबाज गुड्डू मुस्लिम को शरण देने का आरोप है, जबकि अन्य तीन आरोपियों पर हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। गुड्डू मुस्लिम फिलहाल पांच लाख रूपए का इनामी है। पुलिस का दावा है कि घटना के बाद उसने अखलाक के मेरठ स्थित आवास में पनाह ली थी। डॉ. अखलाक के अधिवक्ता ने जमानत के समर्थन में दलील दी कि उनके मुवक्किल एक चिकित्सक हैं और एफआईआर में नामजद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अखलाक का अपराध से कोई लेना-देना नहीं है और केवल अतीक के रिश्तेदार होने के कारण उन्हें फंसाया गया है।

उत्तरी हवाओं संग आई ठंड, 11 डिग्री गिरा पारा

ग्वालियर। ग्वालियर में सर्दी ने अब जोर पकड़ लिया है। पिछले 24 घंटों में तापमान में 5.3 डिग्री सेल्सियस की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद सीजन का अब तक का सबसे ठंडा न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, ठंडी उत्तरी हवाओं के कारण यह बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र, भोपाल के अनुसार, वर्तमान में ग्वालियर-चंबल संभाग पर किसी सक्रिय मौसम प्रणाली का प्रभाव नहीं है, हालांकि उत्तर-पश्चिमी दिशा से आने वाली हवाएं क्षेत्र के तापमान में गिरावट ला रही हैं। उत्तर भारत के पर्वतीय इलाकों में हाल में हुई बर्फबारी और वर्षा से हवा में नमी और ठंडक बढ़ी है, जो अब ग्वालियर तक पहुंच रही है।

काशी पहुंची चमचमाती नई वंदे भारत, मोदी करेंगे रवाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

एजेंसी | वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी विशेष विमान से पहुंच गए है। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का भाजपा के पदाधिकारियों और विशिष्टजनों ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री दो दिन यहां प्रवास करेंगे। काशी में प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री के वाहनों का काफिला बरेका गेस्टहाउस के लिए रवाना हो गया। दो दिवसीय काशी प्रवास पर आए प्रधानमंत्री बरेका गेस्टहाउस में रात्रि विश्राम के पूर्व शाम को भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। अगले दिन 8 नवम्बर को प्रधानमंत्री बरेका गेस्ट हाउस से बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे, जहां से वे बनारस से खजुराहो वाया चित्रकूट के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस समेत कुल चार वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।

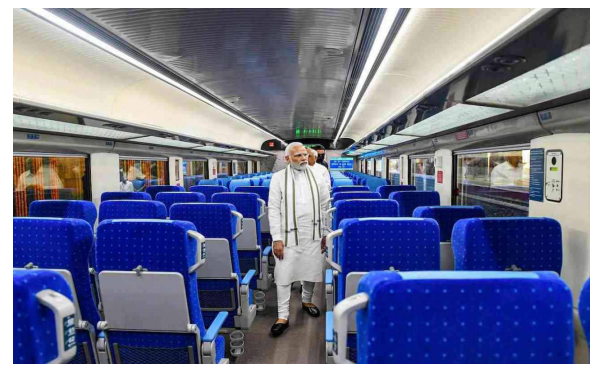

काशी में बना त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा

काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगभग 16 घंटे के प्रवास को देखते हुए उनके कार्यक्रम स्थल और आने-जाने वाले मार्ग सहित रात्रि विश्राम स्थल बरेका गेस्ट हाउस तक सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया है। कार्यक्रम स्थल और बरेका गेस्टहाउस परिसर में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। बनारस रेलवे स्टेशन और बरेका का पूरा इलाका नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। आसपास के मकानों के छतों पर फोर्स की तैनाती के साथ सीसीटीवी व ड्रोन के जरिए एक-एक गतिविधि की निगरानी हो रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस का किया गया ट्रायल

पीएम जिस वंदे भारत को काशी में हरी झंडी दिखाएंगे, वह भी बनारस पहुंच गई है। शुक्रवार यानी आज बनारस खजुराहो वंदे भारत को साज सज्जा के साथ बनारस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर आठ पर लाया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री के हरी झंडी दिखाने वाले कार्यक्रम स्थल के सामने ट्रेन को चलाकर एवं रोककर ट्रायल किया गया। पीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरी झंडी दिखाने के बाद 02582 बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 08.05 बजे बनारस रेलवे स्टेशन से प्रस्थान कर विन्ध्याचल स्टेशन पर 10.02 बजे, प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर 11.10 बजे, चित्रकूट धाम कर्वी से 13.12 बजे, बाँदा से 14.15 बजे, महोबा से 15.15 बजे छूटकर खजुराहो रेलवे स्टेशन पर 16.25 बजे पहुँचेगी।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती फ़रार घोषित

एजेंसी | रायबरेली

कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर दिल्ली के पूर्व विधि एवं कानून मंत्री सोमनाथ भारती को रायबरेली के एमपी-एमएलए कोर्ट ने फरार घोषित करते हुए हाजिर होने के आदेश दिया है। पूर्व मंत्री के खिलाफ पहले एमपी-एमएलए कोर्ट से गैरजमानती वारंट जारी किया था। शासकीय अधिवक्ता संदीप सिंह ने बताया कि पूर्व मंत्री के अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र देकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की अनुमति मांगी थी। न्यायालय ने कहा कि पत्रावली से स्पष्ट है कि आरोपित की ओर से जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है। पूर्व में उनके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया जा चुका है। वारंट की तामीली भी हो चुकी है। इसके बाद भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। अब आरोपित के विरुद्ध न्यायाधीश डा. विवेक कुमार ने गुरुवार को पुनः गैरजमानती वारंट व 82 सीआरपीसी की नोटिस जारी की है। अब इस मामले में अब अगली पेशी 13 नवंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि 2021 में पुलिस से अभद्रता के साथ ही अन्य आरोपों में पुलिस ने सोमनाथ भारती के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराई थी। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में शुरू हुई। पूर्व मंत्री पर आरोप तय होने हैं, बावजूद वह हाजिर नहीं हो रहे हैं। कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया था।

अमेरिकी टैरिफ का असरः पीतलनगरी में घटा निर्यात

एजेंसी | मुरादाबाद

अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ से बीते तीन माह में पीतल नगरी से 30 प्रतिशत हस्तशिल्प उत्पादन का निर्यात घट गया है। उत्तर प्रदेश सरकार निर्यातकों को 10 प्रतिशत का राहत पैकेज देने की तैयारी कर रही है । इससे मुरादाबाद जनपद के निर्यात को लगभग 600 करोड़ रुपए की राहत मिलेगी। मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट एसोसिएशन के महासचिव व ईपीसीएच के मुख्य संयोजक अवधेश अग्रवाल का कहना है कि राहत पैकेज मिलने पर वह अमेरिकी खरीदारों को भी छूट देंगे, जिससे अमेरिकी ग्राहक हस्तशिल्प उत्पाद के लिए भारत का रुख करेंगे।

राहत पैकेज देने की तैयारी में सरकार

संयुक्त आयुक्त ने आगे कहा कि जिले के निर्यातक व उद्योग में निराशा हुई निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 10 प्रतिशत का राहत पैकेज देने की तैयारी की जा रही है । यदि निर्यातकों को राहत पैकेज मिलता है तो अमेरिका समेत उन देशों के खरीदारों को करीब 600 करोड़ रुपए तक छूट दे सकेंगे। निर्यात राहत पैकिंग मिलने के बाद इस साल अमेरिका 4800 करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात होने का अनुमान लगा रहे हैं।

60 फीसद निर्यात अकेले यूएस को

जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त आयुक्त योगेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि मुरादाबाद जनपद से हर वर्ष 10437 करोड़ रुपए का हासिल उत्पादन का निर्यात किया जाता है, इसमें 60 प्रतिशत उत्पादन का निर्यात अकेले अमेरिका को होता है। अमेरिका की ओर से भारत पर 25% अधिक टैरिफ लगाने पर पिछले 3 महीने में जिले से 30 प्रतिशत निर्यात कम हो गया है।

रिटायर्ड अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 31 लाख उड़ाया

एजेंसी | नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए एक सेवानिवृत्त महिला अधिकारी को मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की धमकी देकर 31 लाख रूपए ठग लिए। आरोप है कि ठगों ने खुद को पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बताकर पीड़िता को पूरे सात दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'सिम बंद होगी' कहकर शुरू हुई साजिश

अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर क्राइम) शैव्या गोयल ने बताया कि शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त एक महिला ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। 24 अक्टूबर की सुबह एक कॉलर ने खुद को ट्राई (TRAI) का कर्मचारी बताते हुए कहा कि दो घंटे में उनका मोबाइल सिम बंद कर दिया जाएगा। जब महिला ने कारण पूछा, तो कॉलर ने बताया कि उनके आधार कार्ड से दिल्ली के दरियागंज में केनरा बैंक का खाता खोला गया है, जिसमें अवैध लेनदेन का मुकदमा दर्ज है। इसके कुछ देर बाद महिला को वीडियो कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया।

ऑनलाइन सुनवाई के बहाने लूटी रकम

ठगों ने महिला को कहा कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वे ऑनलाइन सुनवाई करें। इस बहाने दिन में दो बार वीडियो कॉल के जरिए महिला से उसकी संपत्ति और बैंक खातों की जानकारी ली गई। फिर ठगों ने उसे एफडी तुड़वाने और रकम एक 'सुरक्षित खाते' में ट्रांसफर करने को कहा। भयभीत महिला ने 28 और 29 अक्टूबर को कुल 31 लाख रूपए इंडसइंड बैंक के खाते में ट्रांसफर कर दिए।

महिला के शक करने पर खुला राज

30 अक्टूबर को जब ठगों ने फिर खुद को ईडी अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर पूछताछ करनी चाही, तब महिला को संदेह हुआ। उन्होंने तुरंत कॉल डिस्कनेक्ट कर पुलिस से संपर्क किया। डीसीपी शैव्या ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

कालूघाट और हल्दिया टर्मिनल से कार्गो संचालन शुरू

एजेंसी | नई दिल्ली

बिहार के कालूघाट में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के इंटरमॉडल टर्मिनल (आईएमटी) को पीपीपी ऑपरेटर एसएपीएल समिट एलायंस पोर्ट ईस्ट गेटवे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सौंप दिया गया। यह टर्मिनल सारण जिले में स्थित है और विभिन्न प्रकार के कार्गो को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके साथ ही विश्व बैंक की वित्तीय और तकनीकी सहायता से आईडब्ल्यूएआई द्वारा निर्मित, पश्चिम बंगाल में हल्दिया मल्टी-मॉडल टर्मिनल में कार्गो संचालन शुरू हो गया, जहां से टाटा स्टील का ग्रेनुलेटेड ब्लास्ट फर्नेस स्लैग असम के पांडु के लिए रवाना किया गया। हल्दिया टर्मिनल की वार्षिक कार्गो हैंडलिंग क्षमता 3.08 मिलियन मीट्रिक टन है। भारतीय बंदरगाह, पोत और जलमार्ग मंत्रालय के मुताबिक, कालूघाट टर्मिनल का संचालन और रखरखाव पीपीपी मॉडल के तहत किया जाएगा।

व्यापार जगत

वैश्विक बाजारों में कमजोरी का दौर, एशियाई सूचकांकों पर भी दबाव

एजेंसी | नई दिल्ली

वैश्विक शेयर बाजारों में गुरुवार को भी कमजोरी का रुख बना रहा। अमेरिकी बाजार बेरोजगारी और महंगाई के ताज़ा आंकड़ों के बाद गिरावट में बंद हुए, जबकि यूरोप और एशिया के अधिकांश सूचकांकों पर बिकवाली का दबाव देखा गया। निवेशकों में आर्थिक मंदी की आशंका के चलते सतर्कता बढ़ी है।bअमेरिका के एसएंडपी 500 में 1.12 प्रतिशत और नैस्डेक में 1.90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,947 अंक पर कारोबार कर रहा है।

एशिया के ज्यादातर बाजार लाल निशान पर

एशिया में भी ज्यादातर बाजार लाल निशान में हैं। निक्केई 2.14 प्रतिशत गिरकर 49,795 अंक पर, कोस्पी 2.72 प्रतिशत टूटकर 3,917 अंक पर और हैंग सेंग 1.11 प्रतिशत नीचे 26,193 अंक पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.46 प्रतिशत और शंघाई कंपोजिट 0.16 प्रतिशत की गिरावट में है। सिर्फ जकार्ता कंपोजिट और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में हल्की तेजी देखी गई। घरेलू संकेतक गिफ्ट निफ्टी 150 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,440 अंक पर कारोबार कर रहा है, जिससे भारतीय बाजारों की कमजोर शुरुआत के संकेत मिल रहे हैं।

बड़े बैंकों के शेयरधारकों की मतदान सीमा बरकरार रहेगी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह स्पष्ट किया है कि देश के बड़े बैंकों में शेयरधारकों की मतदान सीमा में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यह निर्णय बैंकिंग क्षेत्र में नियंत्रण और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। RBI की अधिसूचना के अनुसार, वर्तमान में निजी बैंकों के लिए एकल शेयरधारक की मतदान सीमा अधिकतम 26% तक सीमित है। यह नियम बैंकिंग विनियमन अधिनियम के तहत लागू है और इसे 31 मार्च 2026 तक यथावत बनाए रखने का निर्णय लिया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह सीमा बनाए रखने से बैंकिंग प्रणाली में कॉर्पोरेट गवर्नेंस (Corporate Governance) मजबूत रहेगा और किसी एक निवेशक या प्रमोटर द्वारा अत्यधिक नियंत्रण की संभावना कम होगी। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि भविष्य में आर्थिक परिस्थितियों और बैंकिंग स्थिरता को ध्यान में रखते हुए इस सीमा की पुनः समीक्षा की जा

सकती है। वित्त मंत्रालय ने भी RBI के इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि मतदान सीमा बनाए रखने से निवेशकों के हित सुरक्षित रहेंगे और बैंकिंग सेक्टर में संतुलित निर्णय प्रक्रिया जारी रहेगी। मंत्रालय ने संकेत दिया कि इस नीति की समीक्षा अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही (जून 2026) में की जाएगी। संक्षेप में, RBI का यह निर्णय देश के बैंकिंग ढांचे की स्थिरता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मतदान सीमा पर नियंत्रण से बड़े निवेशकों का वर्चस्व घटेगा और बैंकिंग संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

RBI के सुधारों से SBI बनी 100 अरब डॉलर की कंपनी: गवर्नर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि हाल के नियामक सुधारों और नीतिगत लचीलेपन ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि इन्हीं सुधारों के परिणामस्वरूप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) 2018 के घाटे से उबरकर आज 100 अरब डॉलर मूल्य वाली कंपनी बन चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई में आयोजित एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई का लक्ष्य अत्यधिक नियंत्रण नहीं बल्कि संतुलित और विवेकपूर्ण नियमन है। उन्होंने कहा, हमें विनियमित संस्थाओं को अपने विवेक से निर्णय लेने की स्वतंत्रता देनी चाहिए, ताकि ऋण और जमा विस्तार, परिसंपत्ति गुणवत्ता तथा लाभप्रदता में स्थायी सुधार सुनिश्चित किया जा सके। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि भारतीय बैंक अब पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत और परिपक्व हो चुके हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक का उद्देश्य बैंकों के हर निर्णय में दखल देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वायत्त और जिम्मेदार निर्णय प्रक्रिया के लिए सक्षम बनाना है। मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का यह परिवर्तन मजबूत नियामक ढांचे और आरबीआई व सरकार के समन्वित नीतिगत कदमों की देन है। उन्होंने जोड़ा कि किसी भी नियामक को बोर्डरूम के फैसले की जगह नहीं लेनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक निर्णय को उसकी योग्यता के आधार पर परखा जाना चाहिए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.62 अरब डॉलर घटा

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर रहा। पिछले हफ्ते 24 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.96 अरब डॉलर घटकर 564.59 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.81 अरब डॉलर घटकर 101.73 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.64 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 16.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.77 अरब डॉलर रहा।

उपभोक्ता कानून में सुधारों का प्रस्ताव, जल्द होगा निपटारा

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने उपभोक्ता कानून में सुधारों का प्रस्ताव रखा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों की रूपरेखा पेश की। इसका मकसद लंबित मामलों को कम करना और कृत्रिम मेधा (एआई) तथा डिजिटल मंच के जरिए विवाद समाधान में तेजी लाना है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) ने नई दिल्ली में मानक भवन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 में संशोधन पर चिंतन शिविरका आयोजन किया।

निस्तारण के लिए सिर्फ छह माह

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि 2019 के कानून में इस समय नियमित मामलों के लिए तीन महीने और जांच की जरूरत वाले मामलों के लिए पांच महीने की समय-सीमा है। उन्होंने एक बयान में कहा कि कोई भी मामला छह महीने से ज्यादा लंबित नहीं रहना चाहिए। खरे ने कहा कि ई-जागृति डिजिटल फाइलिंग पहल और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन सालाना 12 लाख से ज्यादा शिकायतों का समाधान करती है। उन्होंने कहा कि सरकार समय पर उपभोक्ता न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अमरेश्वर प्रताप साही, अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा और संयुक्त सचिव अनुपम मिश्र उपस्थित रहे।

चार दिन की गिरावट के बाद सोने में लौटी रौनक

एजेंसी | नई दिल्ली

लगातार चार दिन की गिरावट झेलने के बाद गुरुवार को घरेलू सर्राफा बाजार में फिर से तेजी लौट आई। सोने और चांदी दोनों के दामों में मजबूती देखने को मिली है। सोना आज 1,020 से 1,110 रूपए प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ, जबकि चांदी में भी करीब 2,200 रूपए प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई। तेजी के इस रुख के साथ देशभर के प्रमुख बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,22,580 से 1,22,730 रूपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,360 से 1,12,510 रूपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं, चांदी का भाव दिल्ली

सर्राफा बाजार में 1,52,600 रूपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,730 रूपए और 22 कैरेट सोना 1,12,510 रूपए प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,22,580 रूपए , जबकि अहमदाबाद में 1,22,630 रूपए प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। चेन्नई और कोलकाता में भी दाम लगभग इसी स्तर पर बने हुए हैं। उत्तर भारत के लखनऊ, पटना और जयपुर जैसे शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,630 से 1,22,730 रूपए प्रति 10 ग्राम के बीच रही। दक्षिणी राज्यों के बाजारों—बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर—में भी इसी स्तर पर कारोबार हुआ।बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर में कमजोरी और वैश्विक बाजार में निवेशकों की बढ़ती सुरक्षित निवेश मांग के चलते सोने के दामों में उछाल आया है। त्योहारी सीजन में घरेलू मांग बढ़ने से आने वाले दिनों में कीमतों में और तेजी की संभावना जताई जा रही है।

हांगकांग सिक्सेस

उथप्पा की तूफ़ानी पारी से भारत जीता

रोचक मुकाबले में पाकिस्तान दो रन से मिली पराजय

हांगकांग। टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर शुक्रवार को खेले गए हांगकांग सिक्सेस 2025 के मुकाबले में भारत ने रोमांचक अंदाज़ में पाकिस्तान को चार रन से हराया। बारिश से बाधित इस पूल 'सी' मैच का परिणाम डकवर्थ लुईस (डीएलएस) पद्धति से तय हुआ। दिन का आखिरी मैच स्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। बारिश के कारण मैच को छोटा किया गया, लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत ने 6 ओवर में 4 विकेट पर 86 रन बनाए। रोबिन उथप्पा ने सिर्फ़ 11 गेंदों में 28 रनों की तेज़तर्रार पारी खेली, जबकि भरत चिपली ने 13 गेंदों में 24 रन जोड़े। कप्तान दिनेश कार्तिक ने अंत में 6 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाकर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

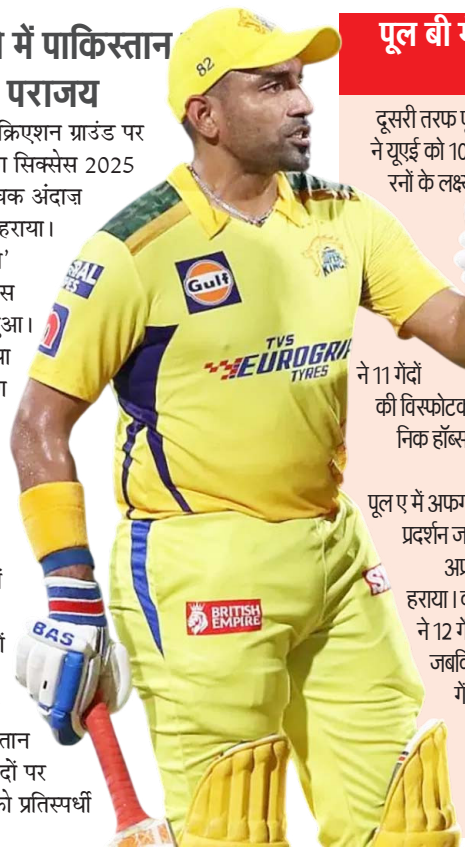

पूल बी में आस्ट्रेलिया की जीत

दूसरी तरफ पूल बी में ऑस्ट्रेलिया ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा। 88 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ़ 3 ओवर में जीत हासिल कर ली। जैक वुड ने 11 गेंदों पर 55 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि निक हॉब्सन 5 गेंदों पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे। पूल ए में अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को 49 रनों से हराया। कप्तान गुलबदिन नैब ने 12 गेंदों पर 50 रन ठोके, जबकि करीम जनत ने 11 गेंदों पर 46 रन जोड़े। अफगानिस्तान ने 6 ओवर में 148/2 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

अब्बास अफरीदी का धमाका एक ओवर में जड़े 6 छक्के

मोंग कोक (हांगकांग) । हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के ऑलराउंडर अब्बास अफरीदी ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया। कुवैत के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने एक ही ओवर में लगातार 6 छक्के जड़ दिए। हालांकि, यह प्रदर्शन किसी आधिकारिक रिकॉर्ड में नहीं गिना जाएगा, लेकिन इस कारनामे ने टूर्नामेंट को रोमांचक बना दिया।

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट अपने मनोरंजनपूर्ण प्रारूप के लिए जाना जाता है। इसमें प्रत्येक टीम में 6 खिलाड़ी होते हैं और मैच केवल 6-6 ओवरों के होते हैं। मैदान छोटा और नियम ऐसे बनाए गए हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा चौके-छक्के लगें। विकेटकीपर के अलावा हर खिलाड़ी को गेंदबाजी करनी होती है।

कुवैत के गेंदबाज यासीन पटेल ने पाकिस्तान की पारी का 5वां ओवर फेंका, जिसमें कुल 38 रन बने। ओवर की अंतिम गेंद कमर से ऊपर फेंकी गई, जिसे नो बॉल करार दिया गया। अफरीदी ने ओवर की सातवीं गेंद पर लेग बाई के जरिए एक रन लिया। इस ओवर के बाद पाकिस्तान का पलड़ा पूरी तरह भारी हो गया। पाकिस्तान को जीत के लिए 124 रन चाहिए थे। टीम ने मात्र दो ओवर में 57 रन बना लिए और फिर 5वें ओवर में 38 रन जोड़ने के बाद अंतिम ओवर में 29 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की। अफरीदी ने केवल 12 गेंदों पर 55 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि शाहिद अजीज ने 5 गेंदों में 23 रन बनाकर नाबाद पारी खेली।

100 बरस की हो गई 'भारतीय हॉकी', दिग्गज सम्मानित

राजधानी के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में गूंजा जोश और गर्व का स्वर

नई दिल्ली। भारत में हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का उत्सव शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। यह आयोजन भारतीय हॉकी की 1925 से शुरू हुई संघर्ष, स्वर्णिम उपलब्धियों और पुनर्जागरण की गाथा को समर्पित रहा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यवंशी सूरज तथा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम सहित अनेक गणमान्य अतिथि, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और राष्ट्रीय टीमों के सदस्य मौजूद रहे।

ओलंपिक में भारत को दिलाई पहचान

डॉ. मांडविया ने कहा, हॉकी ने भारत को विश्व खेल जगत में पहचान दिलाई। ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों ने जो गौरव अर्जित किया, उसने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा किया। आज पूरा देश इस शताब्दी के उत्सव में एकजुट है। भारत में एक हजार से अधिक स्थानों पर एकसाथ हॉकी मैच खेले जा रहे हैं — यह हमारी एकता और खेल भावना का अद्भुत प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि आज उन महान खिलाड़ियों के बीच हूं जिन्होंने भारत को स्वर्णिम गौरव दिलाया।

स्पोर्ट्स मिनिस्टर XI ने जीता प्रदर्शनी मैच

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मांडविया की कप्तानी वाली स्पोर्ट्स मिनिस्टर XI और डॉ. दिलीप तिर्की की हॉकी इंडिया XI के बीच एक रोमांचक प्रदर्शनी मैच खेला गया। मुकाबले में स्पोर्ट्स मिनिस्टर XI ने 3–1 से जीत दर्ज की। विजेता टीम के लिए ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक ने गोल किए, जबकि मनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया XI के लिए एकमात्र गोल दागा।

इस अवसर पर गुर्बक्स सिंह, हरबिंदर सिंह, अजीत पाल सिंह, अशोक कुमार, बी.पी. गोविंदा, असलम शेर खान, ज़फर इकबाल, और असुंता लकड़ा समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही "100 इयर्स ऑफ इंडियन हॉकी" शीर्षक वाली स्मारक पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसमें भारतीय हॉकी की स्वर्णिम झलकियां, ओलंपिक उपलब्धियां और ऐतिहासिक तस्वीरें संकलित हैं।

वित्त मंत्री और सांसद ने किया खिलाड़ियों का स्वागत

चंडीगढ़। महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी हरलीन देओल और अमनजोत कौर का शुक्रवार को घर लौटने मोहाली स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। पंजाब सरकार की तरफ से वित्त मंत्री हरपाल चीमा, सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने उनका स्वागत किया।

हरलीन और अमनजोत शुक्रवार सुबह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरीं। यहां परिवार और प्रशंसकों की भारी भीड़ ने दोनों का स्वागत किया। हवाई अड्डे के बाहर सडक़ों पर भी लोग दोनों महिला खिलाडिय़ों के स्वागत के लिए खड़े रहे। हवाई अड्डे पर हरलीन ने कहा कि उन्हें परिवार का काफी सहयोग रहा है। जिससे उन्हें आगे खेलने की आजादी मिली है। उन्होंने कहा कि मेरे साथ ड्रीम डू कम ट्रू हुआ है। अमनजोत ने कहा कि हमें पूरा पंजाब लेने आया है। इससे अधिक मान-सम्मान की बात हमारे क्या ही होगी।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तान शाहीन टीम घोषित

16 नवंबर को भारत से होगी भिड़ंत

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए अपनी 'पाकिस्तान शाहीन' टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से दोहा (कतर) में शुरू होगा। टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद इरफान खान को सौंपी गई है, जो पहले पाकिस्तान की वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

टीम में स्पिनर सुफियान मुकीम और तेज गेंदबाज अहमद दानियाल जैसे अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी भी शामिल किए गए हैं। पाकिस्तान शाहीन (पाकिस्तान ए) को ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें भारत 'ए', ओमान और यूएई की टीमें भी शामिल हैं। वहीं ग्रुप ए में अफगानिस्तान 'ए', बांग्लादेश 'ए' और हांगकांग की टीमें होंगी।

इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मुकाबला भारत 'ए' और पाकिस्तान 'ए' के बीच 16 नवंबर को दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

इरफान की कप्तानी में युवा जोश और अनुभव का मेल

पीसीबी के अनुसार, टीम में कई ऐसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने घरेलू क्रिकेट, शाहीन टूर्नामेंट और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में शानदार प्रदर्शन किया है। कप्तान मोहम्मद इरफान खान ने पाकिस्तान के लिए 9 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उन्हें टीम के लिए मार्गदर्शक भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी गई है।एशिया कप राइजिंग स्टार्स का यह सातवां संस्करण है, जिसे पहले इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के नाम से जाना जाता था। पिछला संस्करण ओमान में खेला गया था, जहां अफगानिस्तान 'ए' ने श्रीलंका 'ए' को हराकर खिताब जीता था। पाकिस्तान शाहीन इस टूर्नामेंट को दो बार (2019 और 2023) जीत चुका है, जबकि भारत 'ए' ने 2013 में एकमात्र बार पाकिस्तान U-23 को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

बॉलीवुड

भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां मुझे भाती हैं : यामी

@लोकेश चंद्रा

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली और संवेदनशील अभिनेत्री यामी गौतम ने अपने करियर की शुरुआत 'विक्की डोनर' से की थी, और तभी से वह अपनी सादगी और सशक्त अभिनय के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुकी हैं। 'बदलापुर', 'काबिल' और 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी फिल्मों में उनके किरदारों ने यह साबित किया है कि यामी सिर्फ सुंदरता की प्रतीक नहीं, बल्कि एक सशक्त परफ़ॉर्मर हैं, जो हर भूमिका में गहराई और वास्तविकता भर देती हैं।अब वह एक बार फिर चर्चा में हैं अपनी फिल्म 'हक' को लेकर, जिसमें वह एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं जो सच्चाई और न्याय के लिए संघर्ष करती है। इस खास मौके पर यामी गौतम ने 'डीबीडी' को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में अपने किरदार, तैयारी और सिनेमा में महिलाओं के बदलते स्वरूप पर खुलकर बात की।

Q फिल्म 'हक' शाहबानो केस से जुड़ी है, यह महिलाओं के हक़ पर क्या संदेश देती है?

फिल्म एक ऐतिहासिक निर्णय से प्रेरित है, लेकिन यह किसी की जीवनी नहीं है। इसकी कहानी सच्ची घटनाओं और कल्पना का मेल है। शाहबानो की यात्रा ने मुझे गहराई से प्रभावित किया, यह दर्दनाक भी है और प्रेरणादायक भी, क्योंकि इसमें एक महिला की दृढ़ता झलकती है। यह सोचकर हैरानी होती है कि उस मामले को हुए चार दशक बीत चुके हैं, फिर भी हम आज उस पर चर्चा कर रहे हैं, यही उसकी अहमियत दिखाता है। शायद खुद शाहबानो ने भी नहीं सोचा होगा कि उनकी लड़ाई इतना बड़ा प्रतीक बन जाएगी। मैंने इस मामले को उतना ही जाना जितना अखबारों और लेखों से समझा, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में मेरा प्रयास यही रहा कि मैं अपने किरदार की आत्मा को सच्चाई से महसूस करूं और दर्शकों तक उसकी संवेदना पहुंचा सकूं।

Q संवेदनशील विषयों पर बनी फिल्मों में काम करते वक्त क्या कभी मन में डर या असमंजस होता है?

एक कलाकार के रूप में मैं किसी भी फिल्म को केवल एक ही दृष्टिकोण से देखती हूं, उसका टोन क्या है? क्या वह विवाद भड़काने के लिए बनी है या सार्थक चर्चा शुरू करने के लिए? दोनों के बीच बहुत बड़ा फर्क होता है। मैं फिल्म इंडस्ट्री में काफी समय से हूं, और जैसा कि आप जानते हैं, मैं विवादों के लिए नहीं, बल्कि अपने काम के प्रति ईमानदारी के लिए जानी जाती हूं। मेरा काम है किरदार को सच्चाई से निभाना, और फिर शांति से अपने घर लौट जाना। मेरा मानना है कि अगर किसी फिल्म पर बातचीत ही नहीं होती, तो उसका अस्तित्व अधूरा है। ऐसे विषयों पर लोगों की प्रतिक्रियाएं हमेशा दो छोरों पर होती हैं, या तो उन्हें कहानी गहराई से छूती है, या वे उसे पूरी तरह नकार देते हैं। 'औसत' जैसा कुछ नहीं होता। एक कलाकार के तौर पर मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कहानी मुझे भीतर से क्या महसूस कराती है, वही पहला एहसास मेरी असली प्रेरणा बनता है। एक बार जब मैं किसी प्रोजेक्ट के लिए हां कह देती हूं, तो फिर बिना किसी डर या झिझक के पूरी निष्ठा से काम करती हूं। फिल्म का मूल स्वर और संदेश पहले से ही स्क्रिप्ट में तय होता है, बाकी सब उसी का विस्तार है।

Q फिल्म में उर्दू भाषा के प्रभाव, उसके लहजे और अदब को प्रामाणिक रूप से पेश की गई, इसके पीछे की तैयारी पर क्या कहना चाहेंगी?

हां, मैंने इस भूमिका से बहुत कुछ सीखा। दरअसल, इस किरदार की तैयारी का पहला कदम था, उर्दू की मिठास, उसकी तहज़ीब और शुद्धता को समझना। हमारे डिक्शन कोच, इंदौर के इदराक सर, ने इस सफर में मुझे बेहद सच्चाई और धैर्य से मार्गदर्शन दिया। हर संवाद में सही ठहराव, नर्मी और भावनात्मक संतुलन बनाए रखना एक चुनौती थी। संवादों को हमने बेहद विस्तार से गढ़ा। कई जगहों पर, वास्तविकता बनाए रखने के लिए हमने जानबूझकर कुछ छोटे उच्चारण-भेद छोड़े, क्योंकि असल ज़िंदगी में भी इंसान की बोली में हल्की अपूर्णता होती है, और वही सबसे असली लगती है। मेरे लिए उर्दू सीखना केवल एक भाषा सीखना नहीं था, बल्कि एक पूरी संस्कृति और भावना से जुड़ने जैसा अनुभव था। उर्दू अपने आप में बहुत लयदार और दिल से बोलने वाली भाषा है इसमें संवाद कहे नहीं जाते, बल्कि महसूस किए जाते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें हर शब्द की वह नज़ाकत, हर सुर की वह मिठास और हमारे पूरे प्रयास की आत्मा ज़रूर महसूस होगी।

फिल्म की तरह असल ज़िंदगी में भी क्या आपने कभी अपने हक़ के लिए आवाज़ उठाई?

मेरा मानना है कि शब्दों से ज्यादा असर काम से पड़ता है। इसलिए मैं कोशिश करती हूं कि जब भी मौका मिले, अपने काम के ज़रिए उन बातों को सामने रखूं जिन पर चर्चा ज़रूरी है, क्योंकि असली बदलाव की शुरुआत वहीं से होती है। हाल ही में मैं एक पत्रकार मित्र से इसी विषय पर बात कर रही थी। पहले के ज़माने में अभिनेत्रियां अपनी शादी या बच्चों को छुपाती थीं, क्योंकि माना जाता था कि इससे उनके करियर पर असर पड़ सकता है। आज मैं खुद एक मां हूं, और यह देखकर अच्छा लगता है कि अब लोगों की धारणा नहीं बदलती। यह बदलाव हमारे समाज और इंडस्ट्री दोनों के परिपक्व होने की निशानी है।

Q जब आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ती हैं, तो आपके लिए सबसे अहम क्या होता है, कहानी, किरदार या उसका संदेश?

मेरा जवाब बहुत सरल है, कहानी। किसी भी प्रोजेक्ट को चुनने से पहले मैं सबसे पहले यह देखती हूं कि कहानी में क्या मौलिकता है, क्या उसमें कुछ नया कहने की ताकत है। आज के दौर में हमें 'कांतारा' जैसी सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जड़ से जुड़ी कहानियों की सबसे ज़्यादा ज़रूरत है, ऐसी कहानियां जो भारत की मिट्टी की खुशबू लिए हों, जो हमारे लोकजीवन, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत को सच्चाई से दर्शाएं। हमारे देश के हर राज्य में लोककथाओं, मान्यताओं और भावनाओं का एक अपना संसार है, और उनमें इंसानी संवेदनाओं के इतने रंग हैं कि हर कहानी एक अनोखी सीख बन जाती है। मुझे ऐसी कहानियों से गहरा लगाव है, क्योंकि मैं खुद हिमाचल की धरती से हूं, जहां प्रकृति, लोककथाएं और अध्यात्म जीवन का हिस्सा हैं। शायद इसी वजह से ऐसी कहानियां मेरे दिल को सीधा छू जाती हैं। मेरे लिए किसी भी प्रोजेक्ट को स्वीकार करने के तीन आधार होते हैं, कहानी, किरदार और निर्देशक। कहानी मेरे भीतर कुछ जगानी चाहिए, भूमिका मुझे एक कलाकार के रूप में नई दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करे, और निर्देशक की दृष्टि उस पूरी यात्रा को अर्थ दे। जब ये तीनों तत्व एक साथ संतुलित रूप में आते हैं, तभी मैं पूरे दिल से उस भूमिका को स्वीकार करती हूं।

Q किसी किरदार की तैयारी के लिए आपका क्या प्रोसेस होता है?

ऐसे किरदार निभाते समय कई नियम होते हैं, लेकिन सबसे अहम है भावनात्मक बुद्धिमत्ता, यानी किसी व्यक्ति की भावनात्मक तरंगों को गहराई से समझना। यह केवल बाहरी तैयारी से नहीं आता, बल्कि शारीरिकता के बाद का सबसे जटिल पहलू होता है। इस फिल्म के लिए मैं उस वास्तविक व्यक्ति से कभी नहीं मिली, लेकिन कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित थी। इसलिए मैंने अपने मन में उसकी एक छवि बनाई, यह सोचते हुए कि 70–80 के दशक में एक महिला को अपने और अपने बच्चों के लिए खड़े होने के लिए कितनी ताकत, कितनी हिम्मत जुटानी पड़ती होगी। उस दौर का दर्द, विश्वासघात, संघर्ष और जिद, मैंने सब कुछ उस किरदार में महसूस करने की कोशिश की। इसके विपरीत, मेरी पिछली फिल्म 'आर्टिकल 370' में सब कुछ अलग था। वहां झानी का किरदार एक प्रशिक्षित अधिकारी का था, शिक्षित, अनुशासित और शारीरिक रूप से सशक्त। उस भूमिका के लिए मुझे घंटों तक हथियार चलाने और तकनीकी प्रशिक्षण लेना पड़ा। मैंने अध्ययन किया, अभ्यास किया, क्योंकि उस किरदार की दुनिया बिल्कुल अलग थी।

Q महानगरों से गांवों तक महिलाओं की जद्दोजहद, फिल्म के ज़रिए आप क्या सोच जगाना चाहती हैं?

एक कलाकार के रूप में जब मुझसे पूछा जाता है कि 'आप क्या संदेश देना चाहेंगी?', तो सच कहूं तो थोड़ा असमंजस हो जाता है (मुस्कुराते हुए)। क्योंकि मैं खुद को न तो कोई उपदेशक मानती हूं और न ही शिक्षिका। मेरा काम कहानी को सच्चाई और भावनाओं के साथ जीवंत करना है। लेकिन इतना ज़रूर कहूंगी कि जब भी मुझे किसी ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिलता है जो आत्मविश्वास, सम्मान और अधिकार की प्रतीक हो, तो मैं उसे पूरे दिल से अपनाती हूं। मैंने अब तक जो भी भूमिकाएं की हैं, उनमें निडरता मेरी सबसे बड़ी ताकत रही है, और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 'हक' मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उस सतत संघर्ष का हिस्सा है जो महिलाओं के अधिकारों और आत्मसम्मान के लिए लड़ी जा रही है। यह एक कलात्मक प्रतीक है, उस जज़्बे का, जो बराबरी और न्याय की बात करता है। अगर आप याद करें, तो 1980 के दशक में 'निकाहज़' जैसी फिल्मों ने भी यही बहस शुरू की थी। समय बदला है, सोच बदली है, लेकिन आज भी महिलाएं हर स्तर पर नई चुनौतियों से जूझ रही हैं। मेरी यही कामना है कि जब दर्शक इस फिल्म को देखें, तो उनके भीतर कुछ जागे, कोई सवाल, कोई भावना, कोई नई सोच।

वंदे मातरम् भारत की आत्मा और राष्ट्र संकल्प का स्वर : मोदी

वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने पर डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी

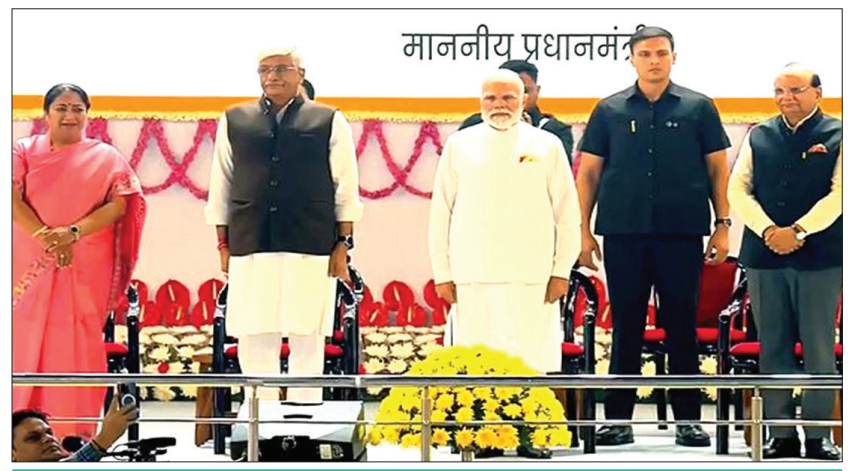

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा, ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। यह गीत एक ऐसा मंत्र है जो हमें अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ता है, वर्तमान में आत्मविश्वास भरता है और भविष्य के लिए प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षभर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने 'वंदे मातरम्' पर आधारित स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' का सार भारत मां की शाश्वत संकल्पना में निहित है। गुलामी के दौर में यह गीत देश की स्वतंत्रता का आह्वान बन गया था। क्रांतिकारियों की जुबां से लेकर आम नागरिकों के हृदय तक यह उद्घोष स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक स्वर बन गया।

राष्ट्र जागरण का बन गया प्रतीक

प्रधानमंत्री ने बंकिमचंद्र चटर्जी की इस अमर रचना की ऐतिहासिक यात्रा को याद करते हुए कहा कि 1875 में 'बंगदर्शन' पत्रिका में प्रकाशित यह गीत किसी ने नहीं सोचा था कि एक दिन स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन जाएगा। 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस अधिवेशन में इसे पहली बार स्वर दिया और 1905 के बंग-भंग आंदोलन में यह राष्ट्रजागरण का प्रतीक बन गया।

भारत ज्ञान, समृद्धि और शक्ति संगम

उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल आजादी का गीत नहीं बल्कि यह भारत के समृद्ध, सुजलाम-सुफलाम भविष्य का सपना है। बंकिम बाबू ने इसमें मां भारती को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में चित्रित कर यह संदेश दिया कि भारत ज्ञान, समृद्धि और शक्ति का संगम है। यही भावना आज भारत को विज्ञान, तकनीक, रक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अग्रणी बना रही है।

स्वतंत्रता सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री ने कहा, जब भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को छुआ, जब हमारी बेटियां फाइटर जेट उड़ाने लगीं, जब देश ने हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां पाईं — तब हर भारतीय के दिल से एक ही स्वर उठा — भारत माता की जय, वंदे मातरम्। उन्होंने इस अवसर पर उन सभी ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने 'वंदे मातरम्' का उद्घोष करते हुए अपना जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह गीत आज भी देशवासियों के हृदय में राष्ट्रवाद की अमर ज्योति प्रज्वलित करता है। युवाओं में एकता, देशभक्ति तथा नवीन ऊर्जा का स्रोत बना हुआ है। शाह ने कहा, हमारा राष्ट्रीय गीत इस वर्ष अपने 150 वर्ष पूरे कर रहा है।

देशभर में सालभर होंगे विविध आयोजन

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह आयोजन 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवम्बर 2025 से 7 नवम्बर 2026 तक चलने वाले राष्ट्रीय समारोहों की शुरुआत है। इस अवधि में देशभर में सामूहिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जन भागीदारी के विशेष आयोजन किए जाएंगे।

जर्मन जनरल ने जताई 'सीमित हमले' की संभावना

रूस से नाटो पर खतरे की आशंका

सीमित दायरे में होगा हमला

एजेंसी । बर्लिन

जर्मनी के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर सोल्फ्रैंक ने चेतावनी दी है कि रूस नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के किसी सदस्य देश पर किसी भी समय सीमित पैमाने पर हमला कर सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा कदम रूस तभी उठाएगा जब उसे पश्चिमी देशों के व्यवहार से ऐसा करने की जरूरत महसूस होगी। जर्मनी के संयुक्त संचालन कमान (Joint Operations Command) के प्रमुख जनरल सोल्फ्रैंक ने एक जर्मन मीडिया संस्था से बातचीत में कहा, "रूस की मौजूदा सैन्य क्षमताओं को देखते हुए वह कल से ही नाटो क्षेत्र पर एक छोटा, तीव्र और क्षेत्रीय रूप से सीमित हमला करने की स्थिति में है। फिलहाल रूस यूक्रेन युद्ध में व्यस्त है, इसलिए ऐसा हमला सीमित दायरे में ही होगा।"

उन्होंने कहा कि रूस यदि अपने हथियार भंडार को बढ़ाने और रक्षा उत्पादन में तेजी लाने की दिशा में मौजूदा प्रयास जारी रखता है, तो वर्ष 2029 तक वह 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन पर बड़े पैमाने पर हमला करने की क्षमता विकसित कर सकता है।

रूस की वायुसेना अभी भी मजबूत

जनरल सोल्फ्रैंक ने बताया कि यूक्रेन में झटके झेलने के बावजूद रूस की वायुसेना और मिसाइल बल अब भी मजबूत हैं। "रूस की थलसेना को जरूर नुकसान हुआ है, लेकिन उसका लक्ष्य 15 लाख सैनिकों की फौज तैयार करने का है और उसके पास अब भी इतने मुख्य युद्धक टैंक मौजूद हैं कि वह सीमित सैन्य कार्रवाई शुरू कर सके," उन्होंने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस के किसी भी संभावित कदम का फैसला तीन प्रमुख कारकों—उसकी सैन्य क्षमता, पिछले युद्धों का अनुभव और नेतृत्व की नीति—पर निर्भर करेगा।

कमान संभाल चुके हैं सोल्फ्रैंक

उल्लेखनीय है कि सोल्फ्रैंक वर्ष 2024 में संयुक्त संचालन कमान के गठन के बाद से ही इसके प्रमुख हैं। इससे पहले वे जर्मनी के उल्म शहर में नाटो की 'लॉजिस्टिक्स कमांड जेसेक' का संचालन कर चुके हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बार-बार यह कहते आए हैं कि उनका 2022 में यूक्रेन पर हमला नाटो के विस्तारवादी रुख के खिलाफ एक 'रक्षात्मक कार्रवाई' थी।

न्यूज़ ब्रीफ

पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता : सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के मामले में मृत पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल को जिम्मेदार ठहराए जाने पर सवाल उठाया है। अदालत ने कहा कि पायलट को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में पायलट के पिता पुष्कर्राज सभरवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया है। पुष्कर्राज सभरवाल ने अपनी याचिका में हादसे की न्यायिक जांच की मांग की है। उनका कहना है कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई खामियां हैं और जांच अनुचित रूप से उन पायलटों पर केंद्रित की गई है जो अब जीवित नहीं हैं और अपना बचाव नहीं कर सकते।

तेजस मार्क-1ए को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के बेड़े को जल्द ही स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान एलसीए तेजस मार्क-1ए मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच एफ-404 इंजन आपूर्ति समझौते पर शुक्रवार को औपचारिक हस्ताक्षर हुए। इस करार से लंबे समय से रुकी हुई इंजन आपूर्ति प्रक्रिया फिर शुरू हो जाएगी और तेजस विमानों के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद है। एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डी.के. सुनील ने बताया कि एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के इस अनुबंध के तहत 113 एफ-404 इंजन की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 10 इंजन मिलने की संभावना है, जबकि शेष दो इंजन मार्च 2025 तक मिल जाएंगे। डॉ. सुनील ने बताया, "हमने दसवें विमान का ढांचा तैयार कर लिया है और ग्यारहवां विमान असेंबली के चरण में है। इंजन आपूर्ति शुरू होते ही उत्पादन की गति और बढ़ेगी।"

'एजुकेट गर्ल्स' को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

नई दिल्ली। भारत की सामाजिक संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' को बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और ग्रामीण समुदायों में जागरूकता फैलाने के उल्लेखनीय कार्य के लिए रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान शुक्रवार को मनीला (फिलीपींस) के मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। इस वर्ष के पुरस्कारों की घोषणा 31 अगस्त को की गई थी। पुरस्कार ग्रहण करते हुए संस्थापिका सफीना हुसैन ने कहा, यह पुरस्कार उन बालिकाओं के नाम है, जिन्होंने अपने साहस और दृढ़ निश्चय से हमें हर दिन प्रेरित किया है। वे लड़कियां जो दिनभर घर के कामों में मदद कर देर रात तक पढ़ाई करती हैं ताकि अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बना सकें। यह सम्मान उन अभिभावकों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों और 55,000 स्वयंसेवकों का भी है जो इस अभियान में हमारे साथ हैं।

BIC पर फिर गूंज सकती हैं फॉर्मूला वन कारों की गड़गड़ाहट

एजेंसी । गौतमबुद्ध नगर

एक दशक से अधिक समय बाद बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट (बीआईसी) पर फिर से फॉर्मूला वन कारों की रफ्तार देखने को मिल सकती है। जापान की प्रतिष्ठित मोटरस्पोर्ट कंपनी ने यहां अंतरराष्ट्रीय रेसिंग इवेंट्स के पुनरारंभ में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने बीआईसी का दौरा कर ट्रैक, सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने बीआईसी पर "सुपर फॉर्मूला" रेस आयोजित करने की संभावनाओं का भी मूल्यांकन किया। जापान में 1973 से चली आ रही यह प्रतिष्ठित रेस अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रही है और अब कंपनी इसे वैश्विक स्तर पर विस्तार देने की योजना पर काम कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कंपनी को लंबे समय तक आयोजन सुनिश्चित करने और आवश्यक तकनीकी सुधारों में निवेश का प्रस्ताव दिया गया है।

बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट पर जापानी कंपनी ने दिखाई रुचि

कंपनी के प्रतिनिधि मंडल ने सर्किट का भ्रमण कर लिया जायजा

मोटर स्पोर्ट को मिलेगा नया जीवन

आरके सिंह ने बताया कि चर्चा का उद्देश्य बुद्धा सर्किट को फिर से सक्रिय करना और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों की वापसी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, यीडा इस जापानी कंपनी के साथ साझेदारी में बीआईसी की सुविधाओं का दोबारा उपयोग शुरू करना चाहता है। इससे न केवल मोटरस्पोर्ट को नया जीवन मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में खेल पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

2011 में पहली दफा हुई थी रेस

उल्लेखनीय है कि बीआईसी पर पहली बार फॉर्मूला वन रेस 2011 में आयोजित हुई थी, जिसके बाद 2012 और 2013 में भी रेस का आयोजन हुआ, लेकिन उसके बाद यह सिलसिला थम गया। वर्ष 2023 में यहां मोटो जीपी रेस का आयोजन जरूर हुआ, मगर वह भी दोबारा नहीं हो सका।

ट्रंप ने दिए संकेत, अगले साल आ सकते हैं भारत

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी वार्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए आज स्पष्ट संकेत दिया कि वह अगले साल भारत की यात्रा कर सकते हैं। व्हाइट हाउस में गुरूवार को संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक 'दोस्त' और 'बेहतरीन व्यक्ति' करार देते हुए कहा कि भारत ने काफी हद तक रूसी तेल की खरीद बंद कर दी है। ट्रंप ने भारत के खिलाफ इस साल अगस्त में 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया था, जिसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से तेल और हथियार खरीदे जाने के विरोध में लगाए गए। उनका आरोप है कि इस लेन-देन से रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। हालांकि, भारत हमेशा से ही इस आरोप का खंडन करता रहा है। भारत की यात्रा पर जाने के सवाल पर ट्रंप ने कहा, हम इस बारे में काम कर रहे हैं। मैं भारत जाऊंगा। प्रधानमंत्री मोदी एक बेहतरीन व्यक्ति हैं और मैं वहां जरूर जाऊंगा। उनकी भारत यात्रा अगले साल हो सकती है। उनका यह बयान भारत द्वारा इस साल रूक्वाडरू शिखर सम्मेलन की मेजबानी और उनकी वहां मौजूदगी के बारे में बनी अनिश्चितताओं के बीच आया है। क्वाड एक अनौपचारिक मंच है, जिसमें जापान, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं।

नरेंद्र मोदी को दोस्त और बेहतरीन व्यक्ति बताया

भारत रूसी तेल का दूसरा बड़ा तेल आयातक

भारत द्वारा रूस से तेल आयात किए जाने के कारण भारत और अमेरिका के बीच महीनों से बाधित व्यापार वार्ता हाल ही में बहाल हुई है। हालांकि, भारत ने अभी तक रूस से तेल न खरीदने के राष्ट्रपति ट्रंप के दावे की स्पष्ट तौर पर पुष्टि नहीं की है। भारत चीन के बाद रूसी तेल का दूसरे सबसे बड़ा आयातक देश है।

अमेरिका से हुआ 190 अरब डालर का कारोबार

अमेरिका भारत को बाध्य कर रहा है कि वह रूस की बजाय अमेरिका से तेल और गैस का आयात करे। पिछले साल तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डालर तक पहुंच गया था जिसने अमेरिका को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार बना दिया था। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप इसे 500 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखते हैं।

पाकिस्तान ने हमेशा से किया गुप्त और अवैध परमाणु प्रसार : विदेश मंत्रालय

ट्रंप की टिप्पणी का लिया गया संज्ञान

एजेंसी । वाशिंगटन

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण करने के बयान पर संज्ञान लिया है। साथ ही, कहा कि पाकिस्तान का इतिहास ही गुप्त एवं अवैध गतिविधियों का और परमाणु प्रसार का रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि पाकिस्तान की गुप्त और गैरकानूनी परमाणु गतिविधियां उसके पुराने इतिहास से मेल खाती हैं।

जी20- शिखर सम्मेलन में शामिल होगा भारत

यह इतिहास तस्करी, निर्यात नियंत्रण के उल्लंघन, गुप्त साझेदारियां, ए.क्यू. खान नेटवर्क और परमाणु प्रसार पर आधारित रहा है। भारत ने पाकिस्तान के रिकॉर्ड के इन पहलुओं पर हमेशा दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। इसी पृष्ठभूमि में हमने पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण पर राष्ट्रपति ट्रम्प की टिप्पणी को नोट किया है। वहीं जी20 देशों के शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के शामिल होने या न होने पर भारत में कोई टिप्पणी नहीं की है और भारत के सहभागी होने की पुष्टि की है।

दिल्ली, गोवा में कई ठिकानों पर ईडी की रेड

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दुबई में 'अघोषित' संपत्ति रखने वाले भारतीयों के खिलाफ एक जांच के तहत शुक्रवार को राष्ट्री य राजधानी दिल्ली और गोवा में हवाला कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। ये छापेमारी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय इकाई दुबई में भारतीयों की अघोषित संपत्तियों के संबंध में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत हवाला कारोबारियों के दिल्ली और गोवा स्थित कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि ये छापेमारी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही है, जो फिलहाल जारी है।

IGI एयरपोर्ट : ATC में आई गड़बड़ी से 100 से ज्यापदा उड़ानें प्रभावित

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI) एयरपोर्ट पर शुक्रवार को अफरा-तफरी का माहौल दिखा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सिस्टिम में तकनीकी खराबी आने के कारण 100 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हो गईं। दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने एटीसी में तकनीकी समस्या के कारण आईजीआईए पर उड़ान में हो रही बाधा के लिए खेद जताया है, जिससे उड़ान संचालन प्रभावित हो रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने उड़ानों में देरी पर जारी एक एडवाइजरी में बताया कि उनकी टीम डायल (दिल्ली अंतरराष्ट्रीहय हवाई अड्डा लिमिटेड) सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

एयर इंडिया ने दी सफाई

एयर इंडिया एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को बताया गया कि जल्द ही परिचालन सामान्य हो जाने की उम्मीद है। बयान में कहा गया है कि दिल्ली में एटीसी सिस्टम में आई एक तकनीकी समस्या सभी एयरलाइनों के उड़ान संचालन को प्रभावित कर रही है, जिससे हवाई अड्डे और विमान में देरी और लंबा इंतज़ार हो रहा है। इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

गंगा देश की जीवनधारा और सांस्कृतिक पहचानः कंठा राव

संरक्षण के लिए सर्वजन की भागीदारी आवश्यक

एजेंसी । नई दिल्ली

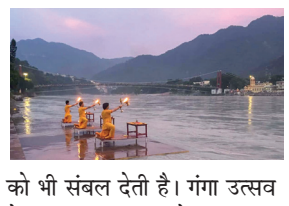

जलशक्ति मंत्रालय के सचिव वीएल कंठा राव ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की जीवनरेखा और सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र नदी का संरक्षण प्रत्येक भारतीय का दायित्व है, क्योंकि गंगा न केवल करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी है, बल्कि देश की आधी आबादी और अर्थव्यवस्था को भी संबल देती है। गंगा उत्सव के अवसर पर अयोध्या स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राव ने बताया कि जलशक्ति मंत्रालय के कुल कार्यों में से लगभग एक-तिहाई कार्य गंगा से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, गंगा बेसिन 11 राज्यों, लगभग 100 प्रमुख शहरों और 150 जिलों में फैला है।

दूरसंचार के क्षेत्र में TEC और IIT बॉम्बे ने मिलाया हाथ

देश में 6जी और एआई तकनीक को बढ़ावा देने की तैयारी

एजेंसी । गौतमबुद्ध नगर

भारत में दूरसंचार के भविष्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग सेंटर (टीईसी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इस साझेदारी का मकसद 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सैटेलाइट कम्युनिकेशन, सिग्नलिंग प्रोटोकॉल और नेक्स्ट-जेन नेटवर्क तकनीकों पर संयुक्त रूप से अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन देना है। दोनों संस्थान मिलकर भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी मानक और परीक्षण ढांचे विकसित करेंगे, जिससे देश में दूरसंचार क्षेत्र के स्वदेशी नवाचार को बल मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में भारत की स्थिति मजबूत करेगा नया समझौता

संचार मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता भारत की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संस्थाओं — जैसे इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU) और 3जीपीपी (3rd Generation Partnership Project) — में और मजबूत बनाएगा। साथ ही, इससे देश में दूरसंचार उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन और निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे विदेशी तकनीकों पर निर्भरता घटेगी।

आईआईटी बांबे में हुआ समझौता

टीईसी, संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग का तकनीकी अंग है, जो देशभर में टेलीकॉम उपकरणों और नेटवर्क से जुड़े मानकों को निर्धारित करता है। वहीं, आईआईटी बॉम्बे 5जी और 6जी नेटवर्क, एआई आधारित सिस्टम तथा सिग्नलिंग प्रोटोकॉल पर अग्रणी शोध कार्य कर रहा है। यह समझौता शुक्रवार को आईआईटी बांबे परिसर में हुआ। टीईसी की ओर से उप महानिदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव और आईआईटी बॉम्बे की ओर से अनुसंधान एवं विकास डीन प्रोफेसर सचिन पटवर्धन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर टीईसी के वरिष्ठ अधिकारी सैयद तौसीफ अब्बास, जितेंद्र बी. चव्हाण और आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर प्रसन्ना एस. चपोरकर भी उपस्थित रहे।